दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

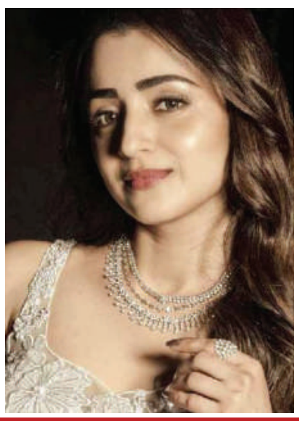

10 साल बाद लीड हीरो बनकर लौटेंगे इमरान

लोगों ने किया है मर्यादा का उल्लंघन

वर्ष : 12 | अंक : 223 | लखनऊ, 06 अगस्त, गुरुवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

दिग्गज अभिनेता प्रदीप पंचतत्व में विलीन

मुंबई। गजनी' और 'लगान' जैसी फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी के लिए मशहूर दिग्गज अभिनेता प्रदीप रावत का 74 वर्ष की उम्र में मंगलवार को निधन हो गया था। बुधवा को उनके बेटे विक्रम रावत ने नम आंखों से उन्हें मुखाग्नि दी।आमिर खान और रजा मुराद समेत कई हस्तियां अंतिम यात्रा में शामिल हुईं।

एनएचआरसी ने दिल्ली पीसी को किया तलब

नई दिल्ली। इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े विज्ञापनों के मामले में लापरवाही पर एनएचआरसी ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को तलब किया है। उन्हें 7 सितंबर को पेश होने को कहा है। यह मामला बीबीसी वर्ल्ड सर्विस की एक रिपोर्ट से जुड़ा है। इंस्टाग्राम पर गलत एड दिखाए जा रहे थे।

कक्षा-1 की किताब में फिर छपी बड़ी गलती

भुवनेश्वर। ओडिशा में नई स्कूली किताबों में गलतियों का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब कक्षा-1 की एक और नई किताब में कई गंभीर गलतियां सामने आई हैं। यह गलती 'झूलना-1' नाम की किताब में मिली है। इन नई गलतियों के सामने आने के बाद शिक्षक और पालकों में चिंता है।

अभिषेक को विदेश जाने की अनुमति नहीं मिली

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को टीएमसी राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बेनर्जी को आंख के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। अदालत ने याचिका खारिज कर दी।न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने आदेश दिया।

विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार पर किया प्रदर्शन

राहुल ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

जंतर मंतर में छात्रों ने हिंसा नहीं की प्रदर्शनकारियों के घर गुंडे भेजे गए

छात्रों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कथित कार्रवाई और चढ़ावा चोरी का मुद्दा उठाया

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छात्र आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग करने वाले छात्रों के साथ मारपीट की गई, उन्हें धमकाया गया और उनके घरों तक लोगों को भेजा गया। राहुल ने कहा कि छात्रों ने कोई हिंसा नहीं की, बल्कि वे बेहतर शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा पेपर लीक रोकने की मांग कर रहे थे।उन्होंने छात्र आंदोलन में शामिल कई युवाओं से खुलकर बातचीत की। छात्रों ने उन्हें बताया कि प्रदर्शन के दौरान उनके साथ मारपीट की गई और उन्हें डराया-धमकाया गया। राहुल ने कहा कि खराब होती शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाना कोई अपराध नहीं है। अगर छात्र व्यवस्था में बदलाव चाहते हैं तो उन्हें अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि देश को ऐसी शिक्षा व्यवस्था चाहिए जो युवाओं का भविष्य सुरक्षित करे और परीक्षा पेपर लीक जैसी घटनाएं बंद हों। उन्होंने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की कथित कार्रवाई और बिहार में छात्र आंदोलन के दौरान कथित रूप से एके-47 के इस्तेमाल के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह से जवाब मांगा। राहुल , प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में प्रेरणा स्थल स्थित गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक मार्च निकाला।

धमकाने की भी बात कही

अन्य मुद्दों को भी उठाया

रिया ने बताया- उन्हें परेशान किया जा रहा

प्रेस वार्ता में छात्र आंदोलन से जुड़े कुछ युवा भी मौजूद थे। रिया अहीर ने कहा कि वह वही लड़की हैं, जो मुंबई पुलिस की गाड़ी के सामने खड़ी हुई थीं। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने 20 निर्दोष लड़कों को बचाने की कोशिश की थी। रिया ने आरोप लगाया कि अब उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है। कार्यक्रम में वह युवती भी मौजूद थी, जिसे प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन लगी थी। इन छात्रों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। राहुल ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के बाद छात्रों के घरों तक गुंडे भेजे गए और एक 15 साल की लड़की से जबरन माफी मंगवाई गई। उन्होंने कहा कि किसी छात्र को इस तरह डराकर माफी मंगवाना पूरी तरह गलत है। कांग्रेस कार्रवाई को स्वीकार नहीं करती।

सरकार को छात्रों की मांग सुननी चाहिए

राहुल ने कहा कि हजारों युवाओं ने संविधान, भारत की अवधारणा और देश के भविष्य की रक्षा के लिए आवाज उठाई है। उन्होंने कहा कि सरकार को छात्रों की मांग सुननी चाहिए, न कि उन्हें डराना चाहिए। गृह मंत्री और प्रधानमंत्री सामने आकर सवालों का जवाब नहीं दे रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि छात्रों की मांग केवल बेहतर शिक्षा व्यवस्था, पेपर लीक पर रोक और सुरक्षित भविष्य की है। राहुल ने कहा कि विपक्ष छात्रों की आवाज उठाता रहेगा। उन्होंने सरकार से शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी बनाने और छात्रों के खिलाफ कथित कार्रवाई रोकने की मांग की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात रखना हर नागरिक का अधिकार है और सरकार को छात्रों की शिकायतों का समाधान करना चाहिए, न कि उन्हें दबाने की कोशिश करनी चाहिए।

भाजपा का पलटवार-बोले भाटिया

राहुल 'गैर जिम्मेदार', वे सदन में आकर मुद्दे उठाएं

कांग्रेस के विरोध पर भाजपा ने पलटवार किया है। प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष का काम सदन में आकर मुद्दे उठाना है, लेकिन राहुल गांधी सदन से दूर रहते हैं। उन्होंने राहुल को अपरिपक्व, पार्ट-टाइम और गैर-जिम्मेदार नेता प्रतिपक्ष बताया। नेता प्रतिपक्ष का काम सदन में मुद्दा उठाना है पर दुर्भाग्य है कि यहां मुद्दे उठाने की जगह भाग जाते हैं।

सीजेपी की अहम बैठक, दीपके बोले

पार्टी नहीं बनाएंगे, दबाव समूह के तौर पर करेंगे काम

सीजेपी की कोर कमेटी की अहम बैठक महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में हुई। पार्टी नेताओं ने आंदोलन को जमीनी स्तर तक ले जाने और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर अभियान जारी रखने की बात कही। अभिजीत दीपके ने कहा कि फिलहाल उनकी पार्टी एक दबाव समूह (प्रेशर ग्रुप) के रूप में काम करेगी।

छात्रों पर केस वापस लेने पर वकील ने कहा

कल जेन अल्फा, बीटा आ जाएगी सदन में घुसेंगे, गलत मिसाल बनेगी

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को एक याचिकाकर्ता ने कहा कि अगर छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को किसी राजनीतिक फैसले के आधार पर वापस लिया गया, तो यह भविष्य के आंदोलनों के लिए खतरनाक मिसाल बन जाएगी। उन्होंने आगाह करते हुए कहा, कल जेनरेशन अल्फा, बीटा, डेल्टा भी आएगी। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को यह निर्देश देने की मांग की गई है कि हाल के छात्र प्रदर्शनों में हिंसा से जुड़े मामलों को केवल किसी राजनीतिक समझौते के आधार पर वापस न लिया जाए।चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहन की बेंच ने इस मामले को छात्र प्रदर्शनों से जुड़े अन्य मामलों के साथ जोड़ दिया। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ली जा सकती हैं। मनीष कुमार सोलंकी की ओर से दायर याचिका में प्रदर्शन के आयोजकों की जिम्मेदारी तय करने की मांग की गई है।

याचिकाकर्ता के वकील: भड़काऊ बयान दे रहे

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील रिजवान अहमद ने कहा, यह प्रदर्शन मंत्री और पुलिस की जवाबदेही को लेकर था। हम इसे स्वीकार करते हैं। 15 दिन बीत चुके हैं। लेकिन आयोजकों की जवाबदेही का क्या? वे एक चैनल से दूसरे चैनल पर जाकर भड़काऊ बयान दे रहे हैं और आग को शांत करने से इनकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इन तथाकथित आयोजकों की जवाबदेही कहां है? मैं उन्हें तथाकथित आयोजक इसलिए कह रहा हूं क्योंकि यह कोई पंजीकृत संगठन नहीं है। उनका इशारा 'सीजेपी' की ओर था, जिसने नीट 2026 पेपर लीक के विरोध में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ प्रदर्शन का आह्वान किया था। रिजवान ने कहा कि कानून के मुताबिक किसी भी सभा या प्रदर्शन के दौरान अगर कोई अप्रिय घटना होती है तो उसके लिए आयोजक भी जिम्मेदार होते हैं।

सीजेआई ने सावधानी रखने की बात कही

सीजेआई ने कहा कि इस स्थिति को बहुत सावधानी से संभालने की जरूरत है। युवाओं को भरोसा दिलाना होगा कि उनकी बात सुनी जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस को भी बहुत संयम बरतना चाहिए, ताकि अगर कोई घटना हो भी जाए तो हालात नियंत्रण से बाहर न जाएं। उन्होंने कहा, हमें बहुत सावधानी से आगे बढ़ना होगा, ताकि युवा हिंसा का रास्ता न अपनाएं। बेहतर तरीका यही है कि उन्हें समझाया जाए और शांत किया जाए कि सबसे ताकतवर व्यवस्था उनकी बात सुन रही है। इसके बाद बेंच ने इस मामले को पहले से लंबित दूसरे मामलों के साथ जोड़ दिया।

गडकरी के खिलाफ ऑनलाइन पोस्ट पर हाईकोर्ट बोला

ई-20 पर विवाद

मेटा, एक्स कॉर्प और गूगल एलएलसी 'आपत्तिजनक' कंटेंट को तुरंत हटाएं

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ ऑनलाइन पोस्ट को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ की गई ऑनलाइन पोस्ट घिनौने, अश्लील, अपमानजनक और मानहानि करने वाले हैं। कोर्ट ने ऐसे सभी पोस्ट हटाने का आदेश दिया है। ई20 फ्यूल विवाद के बीच कोर्ट ने यह टिप्पणी की है। जस्टिस आरिफ डॉक्टर की सिंगल बेंच ने गडकरी को अंतरिम राहत दी।

मदरसों में वंदे मातरम पर हाईकोर्ट ने कहा

पूरे 6 छंद गाइए, आसमान नहीं टूट पड़ेगा

कोलकाता। मदरसों में वंदे मातरम गाने को लेकर चल रही कानूनी लड़ाई पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने कई अहम मौखिक टिप्पणियां की। कोर्ट ने कहा कि अगर मदरसों में वंदे मातरम गाया जाए तो आसमान नहीं टूट पड़ेगा। ईसाई स्कूलों में होने वाली प्रार्थना का भी जिक्र हुआ। इसलके साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है।

नड्डा ने पूर्वोत्तर में लिया बाढ़ का जायजा

बहुत ज्यादा नुकसान हुआ है, पुनर्निर्माण में समय लगेगा, भारत सरकार कोई कमी नहीं छोड़ेगी

बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर भरोसा दिलाया

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया और कहा कि नुकसान इतना अधिक है कि पुनर्निर्माण में समय लगेगा। नड्डा ने बाढ़ पीड़ितों से कहा कि केंद्र आपके साथ है, राहत और पुनर्वास उपलब्ध कराने में कोई कमी नहीं होगी। नड्डा ने सीएम के साथ शिवसागर के नेपालीखुंटी इलाके का दौरा किया। यह बाढ़ की वजह से सबसे ज्यादा प्रभावित है।

40 फीसदी भूमि बाढ़ के खतरे में

असम में लगभग 40 प्रतिशत भूमि बाढ़ के खतरे में है। भौगोलिक स्थिति, भारी मानसूनी बारिश, गाद से भरी नदियां, वनों की कटाई और नदी-किनारों के कटाव के कारण यह राज्य विशेष रूप से बाढ़ के प्रति संवेदनशील हो गया है।

असम में बाढ़ से स्थिति गंभीर

असम में बाढ़ की स्थिति बुधवार को भी गंभीर बनी हुई है। निचले इलाकों में एक बार फिर जलभराव का खतरा है। इस बीच बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 89 हो गई है जबकि 3 जिलों में 1.22 लाख लोग अब भी प्रभावित हैं। राज्य में 1,22,100 से अधिक लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें शिवसागर सबसे अधिक प्रभावित जिला है जहां करीब 60,000 लोग बाढ़ की चपेट में हैं।

पीडीए में 'पी' पंडित का शार्ट फार्म है : अखिलेश यादव

सपा अध्यक्ष ने जनेश्वर मिश्र की जयंती पर पार्क और पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर अर्पित की पुष्पांजलि

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। समाजवादी चिंतक जनेश्वर मिश्र की जयंती पर बुधवार को सपा के प्रदेश मुख्यालय समेत प्रदेश के सभी जिला कार्यालयों में जोश और उत्साह के साथ मनायी गयी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस दौरान जनेश्वर मिश्र के परिवार और पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसके साथ ही उनकी जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सम्बोधित किया।

अखिलेश यादव ने कहा है कि जनेश्वर मिश्र की जयंती का यह ऐतिहासिक कार्यक्रम जनेश्वर मिश्र पार्क में होना था लेकिन सरकार के लोगों ने परमीशन नहीं दी इसलिए कार्यक्रम यहां कार्यालय में करना पड़ा। आज हम लोग जनेश्वर मिश्र के मिशन को पूरा करने का संकल्प लेते है। उनका मिशन लगातार चलता रहेगा। समाजवादी सरकार में जनेश्वर मिश्र के नाम पर सबसे बड़ा पार्क बनाया गया। उन्होंने कहा कि जबसे भाजपा के लोग लोकसभा चुनाव पीडीए से हारे है तबसे पीडीए की तरह-तरह की परिभाषा बनाते है लेकिन वो जान ले पीडीए में पीड़ित पंडित का शार्ट फार्म है। भाजपा जितना पीड़ा देगी, पीड़ा बढ़ाएगी पीडीए उतना ही मजबूत होगा। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार से केवल ब्राह्मण समाज के ही नहीं हर समाज के लोग दुःखी हैं। भाजपा ने हर चीज पर संकट खड़ा कर दिया है। भाजपा दूसरों को बदनाम करने के लिए नकारात्मक राजनीति करती है। देश की नई पीढ़ी जेन जी ने इन्हें जवाब दिया है। भाजपा की नकारात्मक राजनीति के पाप का घड़ा भर गया है। युवाओं ने भाजपा को सबक सिखा दिया है। जब वोट पड़ेगा तो भाजपा का पता नहीं चलेगा। उन्होंने कहा है कि सपा सबका सम्मान करती है। किसी के साथ भेदभाव नहीं करती है। पार्टी को जब भी मौका मिला है सम्मान देने का काम किया है। आज भी लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क का कोई मुकाबला नहीं है। भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई के नाम पर कोई काम नहीं किया। समाजवादी सरकार में बनाए गये लोकभवन में ही प्रतिमा लगायी गयी। सपा सरकार में भगवान के नाम पर बने इकाना अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम को भाजपा ने अटल जी के नाम पर किया।यादव ने कहा कि भाजपा के लोगों ने प्रभु श्रीराम के मंदिर में चढ़ावा चोरी करके सबसे बड़ा महापाप किया है। जब चोरी पकड़ी गयी तो छोटे कर्मचारियों को पकड़कर जेल भेज दिया। चढ़ावा चोरी के खुलासे के बाद भाजपा के लोग चढ़ावे की रसीद मांग रहे हैं, इससे घटिया बात दूसरी नहीं हो सकती है। सनातनी परम्पराओं में चढ़ावा और दान की रसीद नहीं होती है। भाजपाई रसीद मांग रहे है। जिन्होंने राम धन की चोरी की है उत्तर प्रदेश की जनता उन्हें विधानसभा चुनाव में हरा देगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में सभी का सम्मान होगा। भाजपा सरकार ने जिन महापुरूषों की छुट्टियों को समाप्त किया है उसे फिर से लागू करेंगे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रो. अभिषेक मिश्रा एवं मणेन्द्र मिश्रा ने किया। जयंती समारोह में काशी के श्रीराम जानकी डमरू दल सेवा समिति के 15 बटुकों ने डमरू वादन किया। इससे पूर्व गंगा आरती हुई। स्वास्तिवाचन में अखिलेश यादव के जीवन में सफलता की कामना की। अखिलेश यादव ने बटुकों को अंग वस्त्र एवं दक्षिणा देकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर प्रबुद्ध समाज के लोगों ने अखिलेश यादव को स्मृतिचिह्न भेंटकर सम्मानित किया।

जनेश्वर मिश्र पार्क में जनेश्वर मिश्र के परिवार के सदस्य पुत्री मीना तिवारी, भाई तारकेश्वर मिश्र, चंद्रशेखर तिवारी, विश्वभूषण तिवारी, अमृता त्रिपाठी, सवानंद पाठक समेत अम्बिका चौधरी पूर्व मंत्री, सीमा राजभर प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी महिला सभा, जयसिंह जयंत जिलाध्यक्ष लखनऊ, फाखिर सिद्दीकी महानगर अध्यक्ष, सिकंदर यादव प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता सभा, अनीस राजा प्रदेश अध्यक्ष यूथ बिग्रेड, शरद शरन प्रदेश अध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ सहित पूर्व मेयर प्रत्याशी मीरा वर्धन, प्रदेश कोषाध्यक्ष राजकुमार मिश्रा, उदयवीर सिंह पूर्व एमएलसी, नेता सपा पार्षद दल नगर निगम कामरान बेग, सोनू कनौजिया पूर्व प्रत्याशी मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र, पायल सिंह प्रदेश अध्यक्ष किन्नर सभा आदि बड़ी संख्या में पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी जनेश्वर मिश्रा को नमन किया।

संभल हिंसा पर बोला जांच आयोग

सपा सांसद व विधायक भी थे इस साजिश का हिस्सा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

नवंबर 2024 में हुई हिंसा को लेकर न्यायिक आयोग की रिपोर्ट सामने आने के बाद सियासी और प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हिंसा अचानक नहीं हुई थी बल्कि पहले से तैयार साजिश काम कर रही थी। आयोग ने कहा है कि हालात बिगड़ने से पहले माहौल को प्रभावित करने वाली गतिविधियां लगातार चल रही थीं। सपा सांसद जिया-उर-रहमान बर्क, विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल समेत कई लोगों की भूमिका का जिक्र किया गया है।

सर्वे को लेकर फैलाई गलत जानकारी

शाही जामा मस्जिद से जुड़े सर्वे को लेकर मुस्लिम समुदाय के बीच कई तरह की गलत जानकारियां फैलाई गईं। इससे लोगों में भ्रम और नाराजगी बढ़ी। आयोग का कहना है कि इसी माहौल का फायदा उठाकर बड़ी संख्या में लोगों को एक जगह जुटाया गया।

अनुपूरक बजट विधान परिषद में पास

कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, मानसून सत्र में संसदीय परंपराओं का सम्मान

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री एवं विधान परिषद में नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने विधान परिषद के मानसून सत्र-2026 के समापन अवसर पर कहा कि पूरे सत्र के दौरान संसदीय लोकतंत्र की गौरवशाली परंपराओं का सम्मान किया गया। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 का अनुपूरक बजट सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक वातावरण में पारित होना सदन की रचनात्मक कार्यशैली का परिचायक है।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी एक ऐसी राजनीतिक पार्टी है जिसने कभी भी लोकतांत्रिक परंपराओं या व्यवस्थाओं का सम्मान नहीं किया। कल विधानसभा के अंदर पार्टी ने जिस तरह का व्यवहार किया, उसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। सपा के सदस्यों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बोलने का अवसर तक नहीं दिया। इससे पता चलता है कि उनका मकसद सिर्फ सदन का समय बर्बाद करना है। उन्हें राज्य की जनता की कोई परवाह नहीं है। जो लोग बाबर या बाबरी मस्जिद का समर्थन करते हैं, उन्हें श्री राम जन्मभूमि से जुड़े मामलों पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। चाहे वह चढ़ावे,

दान या मंदिर के निर्माण से जुड़ा मामला हो।

समाजवादी पार्टी को 2027 में भारी कीमत चुकानी पड़ेगी और उसका पूरी तरह से खत्म होना तय है। उप मुख्यमंत्री ने विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने सदन की कार्यवाही का निष्पक्ष, गरिमापूर्ण और कुशल संचालन किया। अपने व्यापक संसदीय अनुभव और नेतृत्व के बल पर उन्होंने सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन बनाए रखते हुए सभी सदस्यों को अपनी बात रखने का पूरा अवसर दिया। केशव प्रसाद मौर्य ने अपना दल (एस), निषाद पार्टी, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल, निर्दलीय समूह तथा शिक्षक दल सहित सभी राजनीतिक दलों के नेताओं और सदस्यों का भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सभी ने संसदीय मयार्दा और लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन करते हुए सदन की गरिमा बनाए रखी। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त भारत के इतिहास का एक गौरवपूर्ण दिन है। इसी दिन वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35-ए के प्रावधानों को समाप्त करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर आज विकास, शांति, समृद्धि और राष्ट्रीय एकात्मता की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है तथा वहां भी पूरे सम्मान के साथ तिरंगा लहरा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 अगस्त 2020 को अयोध्या में भगवान श्रीरामलला के जन्मस्थान पर भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन और शिलान्यास का ऐतिहासिक कार्यक्रम संपन्न हुआ था। इस अवसर पर उन्होंने देश और प्रदेश के सभी रामभक्तों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आगामी 15 अगस्त को मनाए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह अवसर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने और राष्ट्र की एकता, अखंडता तथा संप्रभुता के प्रति अपने संकल्प को और मजबूत करने का है।

सपा विधायकों का विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदर्शन

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के विधायकों ने विधानमंडल मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को भी राम मंदिर में चढ़ावा चोरी, राम धन की लूट, किसानों की समस्याओं, खाद की किल्लत, ध्वस्त कानून व्यवस्था, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, पेपर लीक की घटनाओं को लेकर विधानसभा परिसर स्थित पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास भाजपा सरकार के खिलाफ धरना देकर प्रदर्शन किया। सपा सभी विधायकों ने लाल टोपी लगाकर, हाथों में नारे लिखी तख्तियां लेकर भाजपा सरकार विरोधी नारे लगाये। विधायकों ने कहा कि भाजपा सरकार तानाशाही पर उतारू है। भाजपा सरकार में हर जगह, भ्रष्टाचार और लूट है।

मातृ वंदना योजना में यूपी ने बनाया नया रिकॉर्ड, लक्ष्य से अधिक पंजीकरण

31 जुलाई तक 3.97 लाख के लक्ष्य के मुकाबले 4.06 लाख महिलाओं का पंजीकरण

- **86.55 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता सीधे खातों में भेजी गई**

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (ढटटश) के प्रभावी क्रियान्वयन में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 31 जुलाई तक प्रदेश ने निर्धारित लक्ष्य का 102.13 प्रतिशत हासिल करते हुए देश के अग्रणी राज्यों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। प्रदेश सरकार ने 3,97,567 गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया था, जबकि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा बहुओं और विभागीय अधिकारियों के समन्वित प्रयासों से 4,06,058 महिलाओं का पंजीकरण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की मिशन मोड में कार्यशैली, मजबूत आंगनबाड़ी नेटवर्क और डिजिटल मॉनिटरिंग के चलते योजना का लाभ तेजी से पात्र महिलाओं तक पहुंच रहा है। योजना के प्रभावी संचालन के लिए गांव-गांव और वार्ड-वार्ड तक विशेष अभियान चलाकर पात्र महिलाओं की पहचान और पंजीकरण सुनिश्चित किया गया। जिला एवं राज्य स्तर पर नियमित समीक्षा, ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से निगरानी और समयबद्ध कार्यवाई के कारण सभी जिलों में लक्ष्य से अधिक उपलब्धि दर्ज की गई। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 2,61,369 किस्तों के माध्यम से 86 करोड़ 55 लाख 62 हजार रुपये से अधिक की राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जा चुकी है। योजना के तहत पहली संतान पर दो चरणों में 5,000 रुपये तथा दूसरी संतान यदि बालिका हो तो 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें पूरी करने में मदद मिलती है। योजना की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन संचालित की जा रही है। आवेदन, सत्यापन, स्वीकृति और भुगतान डिजिटल माध्यम से किए जा रहे हैं। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए फेस रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) का उपयोग किया जा रहा है, जिससे लाभार्थी की पहचान आधार से मिलान के बाद ही भुगतान किया जाता है। डिजिटल मॉनिटरिंग के माध्यम से प्रत्येक आवेदन की नियमित निगरानी की जा रही है, जिससे पात्र महिलाओं तक समयबद्ध तरीके से योजना का लाभ पहुंच रहा है।

अवैध शराब पर सख्ती का असर, चार महीने में आबकारी राजस्व 20,862 करोड़ के पार

अमन लेखनी समाचार

- **चार माह में आबकारी राजस्व ने रचा इतिहास, 20,862 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड संग्रह**
- **जुलाई में 16.04% की रिकॉर्ड बढ़ोतरी, आबकारी विभाग ने बनाया नया कीर्तिमान**

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का आबकारी विभाग राजस्व संग्रह और अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई, दोनों मोर्चों पर लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) में विभाग ने 20,862.42 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में 2,279.23 करोड़ रुपये यानी 12.27 प्रतिशत अधिक है। अकेले जुलाई महीने में विभाग ने 5,052.86 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया, जो पिछले वर्ष के जुलाई की तुलना में 16.04 प्रतिशत अधिक रहा। आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार की पारदर्शी नीतियों, प्रभावी निगरानी और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था के कारण विभाग लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में आबकारी विभाग के लिए 71,278 करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे हासिल करने के लिए विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। सरकार का उद्देश्य केवल राजस्व बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज को नशे के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखना भी है। आबकारी आयुक्त डॉ. आदर्श सिंह ने बताया कि राजस्व वृद्धि के साथ-साथ अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर भी सख्त कार्रवाई जारी है। अप्रैल से जून 2026 के दौरान 29,294 अभियोग दर्ज कर अवैध मदिरा एवं मादक पदार्थ बरामद किए गए। इस दौरान 4,673 लोगों को गिरफ्तार किया गया, 819 आरोपियों को जेल भेजा गया तथा तस्करी में प्रयुक्त 30 वाहन जब्त किए गए। जुलाई में भी 9,769 अभियोग दर्ज कर 1,704 लोगों की गिरफ्तारी कर 271 को जेल भेजा गया।

38.8 मिलियन मीट्रिक टन दुग्ध उत्पादन के साथ यूपी अव्वल

दुग्धशाला विकास विभाग की स्वर्ण जयंती वर्ष पर डेयरी कॉन्क्लेव

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। दुग्धशाला विकास विभाग की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को सभी 75 जनपदों में डेयरी कॉन्क्लेव-2026 आयोजित किया गया। दुग्धशाला विकास विभाग एवं पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यक्रम हुआ। दुग्ध आयुक्त धनलक्ष्मी के. ने बताया कि वर्ष 2024-25 में भारत लगभग 248 मिलियन मीट्रिक टन दुग्ध उत्पादन के साथ विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है, जिसमें उत्तर प्रदेश लगभग 38.8 मिलियन मीट्रिक टन दुग्ध उत्पादन एवं लगभग 16 प्रतिशत योगदान के साथ देश में प्रथम स्थान पर है। डेयरी क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तीकरण, रोजगार सृजन एवं किसानों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम है।

- **दुग्ध उत्पादन में 16 प्रतिशत योगदान के साथ देश में प्रथम स्थान पर उत्तर प्रदेश**

उन्होंने बताया कि नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं से कुल 17,994 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है तथा 4,951 प्रारम्भिक दुग्ध सहकारी समितियों के गठन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 2.25 लाख रोजगार सृजित हुए हैं। इस कार्यक्रम में पूरे प्रदेश में 2100 नव चयनित मुख्यमंत्री स्वदेशी गो-सवंर्धन योजना, 1500 से अधिक मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना तथा 450 से अधिक नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना के लाभार्थियों को चयन पत्र वितरित किए गये हैं। साथ ही डेयरी क्षेत्र में 28,000 करोड़ रुपये से अधिक के 829 एमओयू किए गए हैं। उत्तर प्रदेश दुग्धशाला विकास एवं दुग्ध उत्पाद प्रोत्साहन नीति-2022 के अंतर्गत 39 लाख लीटर प्रतिदिन दुग्ध प्रसंस्करण एवं अवशीतन क्षमता में वृद्धि हुई है तथा लगभग 10,000 रोजगार सृजित हुए हैं। निवेशकों को डीबीटी के माध्यम से लगभग 42 करोड़ रुपये का अनुदान भी उपलब्ध कराया गया है। कॉन्क्लेव में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पशुपालन एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों, दुग्ध संघों के प्रतिनिधियों, प्रगतिशील दुग्ध उत्पादक किसानों, पशुपालकों, स्वयं सहायता समूहों तथा दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विभागीय अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने आधुनिक डेयरी तकनीकों वैज्ञानिक पशुपालन, पशु स्वास्थ्य, संतुलित पशु आहार तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी।

15 अगस्त तक परिषदीय विद्यालयों में शिफ्ट होंगे 15613 आंगनबाड़ी केंद्र

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने बुनियादी शिक्षा और प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के बेहतर एकीकरण के लिए बड़ा निर्णय लिया है। प्रदेश में 15 अगस्त 2026 तक 15,613 आंगनबाड़ी केंद्रों को परिषदीय विद्यालय परिसरों में स्थानांतरित किया जाएगा। ये वे आंगनबाड़ी केंद्र हैं, जो परिषदीय विद्यालयों से 200 मीटर की परिधि में स्थित होने के बावजूद वर्तमान में गैर विभागीय भवनों में संचालित हो रहे हैं। इन्हें मिशन मोड में चरणबद्ध तरीके से परिषदीय विद्यालय परिसरों में स्थानांतरित किया जाएगा। प्रदेश में 1,89,208 आंगनबाड़ी केंद्रों की मैपिंग पूरी हो चुकी है, जिनमें से 1,64,480 केंद्र पहले ही परिषदीय विद्यालय परिसरों से एकीकृत किए जा चुके हैं।

शेष 15,613 केंद्रों का स्थानांतरण 15 अगस्त तक पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इस पहल के तहत 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को सुरक्षित कक्ष, शुद्ध पेयजल, शौचालय, खेल का मैदान, बिजली तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं से युक्त बेहतर शिक्षण वातावरण मिलेगा। इससे राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा और बुनियादी शिक्षा के बीच समन्वय और मजबूत होगा। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका एस. गर्ग तथा निदेशक बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार हर्षिता माथुर द्वारा जारी संयुक्त निर्देशों के अनुसार सभी जिलों में यह अभियान मिशन मोड में चलाया जाएगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संयुक्त रूप से इसकी निगरानी करेंगे तथा 15 अगस्त तक स्थानांतरण सुनिश्चित करेंगे। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का सबसे महत्वपूर्ण आधार प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा है। आंगनबाड़ी केंद्रों को विद्यालय परिसरों में स्थानांतरित करने से बच्चों को शुरूआत से ही बेहतर शैक्षणिक वातावरण और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे उनकी सीखने की क्षमता और स्कूल रेडीनेस को मजबूती मिलेगी।

12 प्रतिशत पर रिकवरी सर्टिफिकेट जारी करने पर हाईकोर्ट सख्त

कोर्ट ने 2 दिसंबर 2021 के बाद पद पर रहे गन्ना आयुक्तों के मांगे नाम मांगे

अमन लेखनी समाचार

- **कोर्ट ने कहा– प्रथमदृष्टया अवमानना का मामला**

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने गन्ना किसानों को देरी से गन्ना मूल्य भुगतान पर 15 प्रतिशत ब्याज देने के अपने फैसले के बावजूद 12 प्रतिशत ब्याज की दर से रिकवरी सर्टिफिकेट जारी किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने गन्ना आयुक्त से दो दिसंबर 2021 के बाद पद पर रहे सभी गन्ना आयुक्तों के नाम मांगे हैं, जिन्होंने उत्तर प्रदेश गन्ना (विनियमन आपूर्ति एवं खरीद) अधिनियम, 1953 की धारा 17(3) के तहत रिकवरी सर्टिफिकेट जारी करने के आदेश दिए थे।

न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की पीठ ने किसान मजदूर संगठन के संयोजक वीएम सिंह की वर्ष 2006 से लंबित जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि प्रथमदृष्टया 15 प्रतिशत के बजाय 12 प्रतिशत ब्याज की दर से रिकवरी सर्टिफिकेट जारी करना 23 दिसंबर 2021 के हाईकोर्ट के

फैसले की अवमानना प्रतीत होता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह जांच का विषय होगा कि ऐसा चीनी मिलों को आर्थिक लाभ पहुंचाने के लिए किया गया या किसी मिलीभगत के कारण किसानों को वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा। सुनवाई के दौरान कोर्ट में पेष गन्ना आयुक्त ने स्वीकार किया कि ऐसे रिकवरी सर्टिफिकेट जारी हुए हैं। उन्होंने बताया कि 30 जुलाई 2026 को इन प्रमाणपत्रों में सुधार करने का आदेश जारी कर दिया गया है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि देरी से भुगतान के बकाये की वसूली 15 प्रतिशत ब्याज के साथ की जाए और अगली सुनवाई में अब तक की गई वसूली तथा किसानों को मिलने वाली अतिरिक्त रकम का पूरा ब्यौरा पेश किया जाए। कोर्ट ने गन्ना आयुक्त से पिछले तीन वर्षों के उन गन्ना बकायों का पूरा विवरण मांगा है, जिनका भुगतान 14 दिन के भीतर किया जाना था। यह भी बताना होगा कि कितनी रकम समय से किसानों को दी गई और कितनी राशि का भुगतान समयसीमा में नहीं हुआ। देरी से भुगतान पर देय ब्याज की राशि का भी विवरण देना होगा। सुनवायी के दौरान गन्ना आयुक्त ने पीठ को बताया कि वर्ष 2023-24 से अब तक देरी से भुगतान संबंधी आंकड़ों को डिजिटल किया जा चुका है। कोर्ट ने कहा कि इससे भविष्य में यह बहाना स्वीकार नहीं किया जाएगा कि गन्ना सहकारी समितियों के पास उपलब्ध आंकड़े गन्ना आयुक्त के पास उपलब्ध नहीं हैं। पीठ ने लंबित रिकवरी सर्टिफिकेट और उनमें बकाया रकम का भी विवरण मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 31 अगस्त को होगी। गन्ना आयुक्त को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई में शामिल होना होगा।

हर पात्र महिला को स्वयं सहायता समूह से जोड़ेगी योगी सरकार

- **20 अगस्त तक चलेगा घर-घर अभियान, 'परिवार संतृप्तीकरण अभियान' की शुरुआत**

लखनऊ। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में योगी सरकार ने प्रदेशव्यापी 'परिवार संतृप्तिकरण अभियान' शुरू किया है। 5 अगस्त से 20 अगस्त तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत गांव-गांव और घर-घर जाकर ऐसे पात्र परिवारों की पहचान की जाएगी, जो अभी तक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) या राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से नहीं जुड़े हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक पात्र महिला को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर स्वरोजगार, बैंकिंग सुविधाओं, ऋण, बचत और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना है, ताकि ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

इस अभियान के सफल संचालन के लिए विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है। ये अधिकारी अभियान की निगरानी करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी पात्र महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ने से वंचित न रहे। प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक ग्रामीण परिवारों को आजीविका मिशन से जोड़कर महिलाओं की आय बढ़ाई जाए, उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं और गांवों में आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिले। सरकार ने अभियान के दौरान सभी पात्र स्वयं सहायता समूहों के बैंक खाते तत्काल खुलवाने के निर्देश दिए हैं। इससे समूहों को सरकारी वित्तीय सहायता, बैंक ऋण और अन्य योजनाओं का लाभ सीधे मिल सकेगा। बैंकिंग सुविधाओं से जुड़ने के बाद ग्रामीण महिलाओं के लिए छोटे उद्यम शुरू करना और आर्थिक गतिविधियों का विस्तार करना आसान होगा। परिवार संतृप्तिकरण अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र परिवार सरकारी योजनाओं, स्वयं सहायता समूहों और आजीविका के संसाधनों से वंचित न रहे। योगी सरकार चाहती है कि प्रत्येक पात्र महिला को आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर उसकी आय बढ़ाई जाए और ग्रामीण परिवारों को आत्मनिर्भर बनाया जाए। जब अधिक से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ेंगी तो गांवों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। छोटे-छोटे घरेलू उद्योग, कृषि आधारित गतिविधियां, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प और अन्य स्वरोजगार के माध्यम विकसित होंगे।

किसान हितों की लड़ाई को आगे बढ़ाना ही सत्यपाल मलिक को सच्ची श्रद्धांजलि : सुनील सिंह

लखनऊ। लोकदल अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह ने बुधवार को ग्राम हिंगुवां, बागपत में किसान नेता एवं जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल स्वर्गीय सत्यपाल मलिक की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर चौधरी सुनील सिंह ने कहा कि सत्यपाल मलिक ने अपने सार्वजनिक जीवन में किसानों, युवाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव निर्भीक होकर आवाज उठाई। उनके विचार और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों के अधिकारों की रक्षा, युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करना तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त बनाना ही सत्यपाल मलिक के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। लोकदल किसानों, मजदूरों, युवाओं और आमजन के अधिकारों की लड़ाई पूरी मजबूती के साथ लड़ता रहेगा। श्रद्धांजलि सभा में उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, किसान नेता तरुण पटेल, लोकदल अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह, लोकदल के प्रदेश पदाधिकारियों, पश्चिम उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने स्वर्गीय सत्यपाल मलिक को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाये : त्रिलोक त्यागी

लखनऊ। लखनऊ स्थित इमेजिन रिसोर्ट में रालोद व्यापार प्रकोष्ठ द्वारा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर रालोद व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल के नेतृत्व में व्यापार प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर त्रिलोक त्यागी का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, व्यापारियों की समस्याओं के समाधान तथा रालोद की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा हुई। त्रिलोक त्यागी ने कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। उन्होंने व्यापार प्रकोष्ठ से व्यापारियों के बीच निरंतर संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने कहा कि व्यापार प्रकोष्ठ प्रदेश के व्यापारियों की आवाज को मजबूती से उठाने के साथ-साथ रालोद की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि त्रिलोक त्यागी के मार्गदर्शन में संगठन और अधिक सशक्त होगा।

प्रमुख मार्गों पर आवारा जानवरों का कब्जा, राहगीर परेशान

खेत से लेकर सड़क तक मुसीबत बने आवारा जानवर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद इलाके में आवारा जानवरों से मुख्य मार्ग से आवागमन करने वाले राहगीर काफी परेशान है जिससे राहगीरों को आवागमन में काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है आए दिन लोग आवारा पशुओं की चपेट में आकर सड़क दुर्घटना का शिकार भी हो रहे हैं। शासन की ओर से तमाम दिशा निर्देश जारी होने के बावजूद भी पशु आश्रय केंद्र इस समस्या से निपटने के लिए नाकाम साबित हो रहे हैं। स्थानीय स्तर पर जिम्मेदार लोग आवारा पशुओं की अनदेखी कर रहे हैं जिसके कारण किसान की लहलहाती फसल चौपट हो रही है । राहगीरों को हरदोई लखनऊ राजमार्ग से गुजरने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। रहीमाबाद, बंजारन खेड़ा, भतोइया गांव में पुलिस पिकेट के पास सड़क के बीचों - बीच जानवर एकत्र रहते हैं । ऐसे में कई बार दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। जानवरों के अचानक सामने आ जाने के कारण वाहन चालक अपना नियंत्रण खो बैठते हैं और फिर दुर्घटना हो जाती है । आवारा पशुओं की समस्याओं के लिए सरकार ने क्षेत्र में जगह जगह पर पशु आश्रय केंद्र का निर्माण कराया था लेकिन जिम्मेदार लोग अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन सही ढंग से नहीं कर पा रहे हैं। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है किसानो के सामने एक बड़ा संकट खड़ा हो गया है। आवारा पशुओं की सुध लेने वाला यहां कोई नहीं है जिसके चलते किसी दिन भी हो सकता है बड़ा हादसा हद तो तब हो जाती है। जब बाइक व साइकिल सवारों को आवारा जानवर दौड़ाकर मारने का प्रयास करते हैं।

हाईवे पर एकत्र छुट्टा जानवर

फांसी के फंदे से लटकता मिला अधेड़ का शव

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक अधेड़ ने संदिग्ध हालत में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान गवां दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से उत्तराखंड स्थित देहरादून के गढ़ी कैंट निवासी मनीष कैंथ (53) आलमबाग निवासी राज सिंह के सरोजनी नगर में ट्रांसपोर्ट नगर स्थित फ्लैट में किराए पर रहकर ट्रांसपोर्ट नगर में ही एक दवा कंपनी में नौकरी करते थे। मंगलवार को मनीष के परिजन बात करने के लिए फोन कर रहे थे। लेकिन कई बार फोन करने के बाद भी मनीष का फोन नहीं रिसीव हुआ। तब परिजनों ने शाम करीब 6:30 बजे मनीष के मकान मालिक राज सिंह को सूचना दी। राज सिंह ने अन्य किरायेदारों से मनीष के कमरे पर जाकर देखने को कहा। किरायेदारों ने जाकर देखा तो मनीष के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था और मनीष खिड़की के ग्रिल से नायलॉन की रस्सी के सहारे लटके मिले। किराएदारों ने मकान मालिक को बताया। जिसके बाद राज सिंह ने सरोजनी नगर पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस कमरे का वीडियो बनाने के साथ दरवाजे की कुंडी तोड़कर अन्दर गई तो मनीष मृत लटके मिले। इसके बाद पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दी। पुलिस का कहना है कि छानबीन के दौरान मृतक की जेब से एक सुसाइड नोट मिला है। जिसमें उसने लिखा है कि मैं अपनी जिंदगी से काफी परेशान होकर ऊब चुका हूं, मैं आत्महत्या करने जा रहा हूं। इसमें किसी का कोई लेना देना नहीं है। मेरी पत्नी व बच्चे मुझे माफ करना। उधर मृतक के परिजनों का कहना है कि मनीष ने कई लोगों से रुपए उधार ले रखे थे। जिसके चलते लेनदार मनीष के बेटे, बेटी और पत्नी से फोन करके पैसा मांग रहे थे। जिससे वह काफी परेशान रहते थे। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

दस साल बाद मदरसा वेतन विधेयक का अध्याय खत्म, योगी सरकार ने लिया वापस

लखनऊ। अखिलेश सरकार के कार्यकाल में लाया गया मदरसा शिक्षकों और कर्मचारियों के वेतन भुगतान से संबंधित विधेयक, जो करीब दस वर्षों से संवैधानिक और कानूनी अड़चनों के चलते लंबित था, अब समाप्त हो गया है। योगी सरकार ने बुधवार को विधानमंडल के मानसून सत्र के दौरान इस विधेयक को वापस लेने का निर्णय लिया। विधानसभा और विधान परिषद, दोनों सदनों में उत्तर प्रदेश मदरसा (अध्यापकों एवं अन्य कर्मचारियों के वेतन का भुगतान) विधेयक, 2016 को औपचारिक रूप से वापस लेने की प्रक्रिया पूरी की गई। सपा सरकार ने वर्ष 2016 में मदरसा शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों के वेतन भुगतान की व्यवस्था को बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों के समान करने के उद्देश्य से यह विधेयक पारित कराया था। इसमें वेतन भुगतान में देरी या लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई का प्रावधान किया गया था। हालांकि विधेयक के कुछ प्रावधानों को लेकर तत्कालीन राज्यपाल राम नाईक ने आपत्ति जताई थी। इसके बाद विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा गया, लेकिन संवैधानिक आपत्तियों के कारण इसे स्वीकृति नहीं मिल सकी। लंबे समय तक लंबित रहने के बाद योगी सरकार ने इसे वापस लेकर इस मामले को समाप्त कर दिया। सरकार का यह कदम ऐसे लंबित विधायी मामलों को निस्तारित करने की प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है।

संक्षेप

28 साल बाद लौटा 'मृत' माना गया पुत्र मां से लिपटकर रोया गांव में छाया जश्न

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव।बिहार थाना क्षेत्र के लालता प्रसाद खेड़ा गांव में एक बेहद भावुक घटना सामने आई है। करीब 28 साल पहले परदेश गए मुनेश्वर यादव बुधवार को सकुशल पैतृक गांव लौट आए।परिवार ने उन्हें मृत मानकर तेरहवीं तक कर दी थी, लेकिन उनकी चमत्कारिक वापसी से पूरे इलाके में दीपावली जैसा जश्न है।परिजनों के मुताबिक, मुंबई में मानसिक स्थिति बिगड़ने से वे बिछड़ गए थे। वहां एक मुस्लिम व्यक्ति ने उनका इलाज कराया और नौकरी दिलाई। पिछले 10 वर्षों से याददाश्त सुधरने पर उन्होंने गूगल से गांव निवासी अनिल का नंबर खोजा और वीडियो कॉल पर बात की। गांव निवासी अनिल कुमार और पड़ोसी रवींद्र गौतम (LIC वाले) ने बताया कि मुनेश्वर ने वीडियो कॉल पर सभी पुराने लोगों को तुरंत पहचान लिया था।गांव पहुंचने पर वृद्ध मां ने जैसे ही अपने लाल को सीने से लगाया, दोनों फफक-फफक कर रो पड़े।पिछले 5 साल पहले ही मुनेश्वर के पिता का देहांत हुआ था।आज घर पर रिश्तेदारों और ग्रामीणों का ताता लगा हुआ है और हर कोई इस सुखद पल का गवाह बनकर आनंदित है।

राज्य कर विभाग ने व्यापारियों के साथ संवाद किया

रायबरेली में पेंट और किराना व्यापारियों की समस्याएं सुनीं, अधिकारियों ने मौके पर किया समाधान

अमन लेखनी समाचार

रायबरेली ,बुधवार को राज्य कर विभाग द्वारा पेन्ट और किराना व्यापारियों के साथ एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।यह आयोजन सुपर मार्केट में हुआ, जिसका निर्देशन उपायुक्त परमहंस लाल श्रीवास्तव ने किया। इसमें बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। विभाग की ओर से सहायक आयुक्त श्रीमती ऋचा जोशी, श्री नरेन्द्र यादव और राज्य कर अधिकारी श्री अरविंद कुमार सिंह ने भाग लिया। व्यापारी वर्ग का प्रतिनिधित्व श्री विकास बाजपेई, श्री नितिन संतानी, श्री सचिन गुप्ता और श्री पवन गुप्ता जैसे प्रमुख व्यापारियों ने किया।अधिकारियों ने व्यापारियों को अपने व्यापारिक रिटर्न और कर (टैक्स) का भुगतान समय पर करने के लिए प्रेरित किया। संवाद सत्र के दौरान, व्यापारियों ने कर से संबंधित अपनी विभिन्न समस्याओं और जिज्ञासाओं को प्रस्तुत किया। अधिकारियों ने इन समस्याओं पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए मौके पर ही उनका निराकरण किया। इस दौरान विभाग और व्यापारियों के बीच आपसी समन्वय को मजबूत करने तथा कर प्रक्रियाओं को और अधिक सुगम बनाने पर भी चर्चा की गई।कार्यक्रम के अंत में, अधिकारियों ने सभी व्यापारियों से कर अनुपालन में सहयोग की अपील की, जिसे व्यापारियों ने भी सकारात्मक रूप से स्वीकार किया।

धीरे-धीरे सिमटती जा रही है झूलों और लोकगीतों की वह पुरानी परंपरा

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। प्रकृति के श्रृंगार और उल्लास के प्रतीक पावन सावन मास की शुरूआत होते ही चारों तरफ हरियाली छा जाती है। कभी बांगरमऊ और आसपास के ग्रामीण अंचल में इस महीने की शुरूआत एक बड़े उत्सव की तरह होती थी। आम के बागों और पुराने नीम और बरगद के पेड़ों पर डाले जाने वाले लंबे झूले, महिलाओं की खनकती आवाज में गाए जाने वाले सावन के गीत (कजरी और मल्हार), और पूरे गांव का एक जगह इकट्ठा होना—सावन की यह पहचान अब आहिस्ता-आहिस्ता आधुनिकता की भेंट चढ़ती जा रही है। समय के साथ गांवों की बदलती जीवनशैली, कंक्रीट के मकानों का बढ़ता दायरा और मोबाइल-इंटरनेट की दुनिया ने सावन के उस पारंपरिक उल्लास को काफी हद तक फीका कर दिया है। बांगरमऊ क्षेत्र के बुजुर्ग बताते हैं कि कुछ दशक पहले तक सावन लगते ही हर गांव के बागों का नजारा ही अलग होता था। गांव की बहुएं और बेटियां नए कपड़े पहनकर, हाथों में हरी

चूड़ियां और सोलह श्रृंगार कर पेड़ों के नीचे इकट्ठा होती थीं। ऊंचे पेड़ों की मजबूत डालियों पर मोटे रस्सों से झूले डाले जाते थे। एक दूसरे को ऊंचे आसमान तक झूला झुलाना, सावन के पारंपरिक गीत गाना और ठहाके लगाना उस दौर की एक ऐसी खूबसूरत तस्वीर थी, जो आज की पीढ़ी के लिए केवल किस्सों जैसी लगती है। स्थानीय निवासी 78 वर्षीय रामबिहारी बताते हैं, ₹पहले सावन आते ही ऐसा माहौल बन जाता था मानो कोई बड़ा मेला लगा हो। काम-धंधे छोड़कर पूरा गांव, खासकर महिलाएं और बच्चे, दोपहर में बागों की तरफ रुख करते थे।झूले की रस्सी खींचने और एक-दूसरे के साथ लोकगीत मुकाबला करने का आनंद ही अलग था।अब न तो वैसे पुराने पेड़ बचे हैं और न ही लोगों के पास अपनों के साथ वक्त बिताने की फुर्सत।सावन के झूलों और गीतों के इस तरह विलुप्त होने के पीछे कई बड़े सामाजिक और पर्यावरणीय बदलाव जिम्मेदार हैं जैसे आधुनिकता के इस दौर में गांवों में भी पक्के मकानों का निर्माण तेजी से हुआ है और बागों की कटाई हुई है। अब मजबूत डालियों वाले वे विशालकाय पेड़ ही कम बचे हैं जिन पर भारी-भरकम झूले टांगे जा सकें।स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और आधुनिक मनोरंजन के साधनों ने इंसानों को आपस में जोड़ने के बजाय एकाकी बना दिया है।आज की युवा पीढ़ी बागों में जाकर झूला झूलने के बजाय कमरों में बैठकर स्क्रीन पर व्यस्त नजर आती है। आज की व्यस्त दिनचर्या और रोजी-रोटी की भागदौड़ के चलते लोगों के पास सामुदायिक उत्सवों के लिए समय का अभाव हो गया है।सावन की पहचान सिर्फ झूलों से ही नहीं, बल्कि उन सुरीले गीतों से थी जिन्हें महिलाएं सामूहिक रूप से गाती थीं।'घेरा डाल के सावन आया रे...', 'अमवा की डाली पे झूले रे झुठनिया...' जैसे पारंपरिक गीत अब रेडियो या विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक ही सिमट कर रह गए हैं।गांवों की बैठकों में बुजुर्ग महिलाएं जब पुरानी यादें ताजा करती हैं, तो उनकी आंखें नम हो जाती हैं। उनका मानना है कि लोक संस्कृति का इस तरह से दूर होना हमारी मूल जड़ों से कटने जैसा है।सावन का महीना केवल मौसम के बदलाव का नाम नहीं है, यह हमारी उस साझा संस्कृति का हिस्सा है जो आपसी भाईचारे, प्रेम और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करती है।बांगरमऊ क्षेत्र के कुछ संभ्रांत लोगों और साहित्य प्रेमियों का मानना है कि यदि समय रहते इस दिशा में ध्यान नहीं दिया गया, तो हमारी आने वाली पीढ़ियां इस समृद्ध लोक-परंपरा से पूरी तरह अनजान हो जाएंगी। प्रकृति के इस पावन पर्व पर जरूरत इस बात की है कि हम अपने आधुनिक जीवन से थोड़ा वक्त निकालकर फिर से हरियाली के करीब जाएं, पौधे लगाएं और अपनी सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का प्रयास करें, ताकि गांवों के आसमान में एक बार फिर सावन के गीतों और झूलों की वह पुरानी गूंज सुनाई दे सके।

पहले बिक चुकी जमीन का दोबारा बैनामा, जिला पंचायत अध्यक्ष ने दर्ज कराया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह ने एक पूर्व ब्लॉक प्रमुख सहित चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। आरोप है कि पहले बेची जा चुकी जमीन का दोबारा बैनामा कराकर उस पर अवैध कब्जा किया गया है।

कोतवाली सदर पुलिस ने मंगलवार रात तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शकुन सिंह ने बताया कि उनके दिवंगत पति अजीत सिंह ने 11 अप्रैल 2000 को आदर्श नगर मोहल्ले स्थित गाटा संख्या 3484, रकबा 0.7590 हेक्टेयर भूमि के आधे हिस्से को शीतला प्रसाद सिंह से बैनामे के जरिए अन्य खरीदारों के साथ खरीदा था।उस समय विक्रेता की तरफ से छगन लाल को विधिवत मुख्तारनामा प्राप्त था, जिसके आधार पर बैनामा किया गया था। उन्होंने बताया कि वर्ष 2004 में

पति के निधन के बाद उन्हें काफी समय बाद इस संपत्ति के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने जमीन का नामांतरण अपने नाम करा लिया। तहरीर में कहा गया कि इसके बावजूद वर्ष 2012 में छगन लाल ने उसी जमीन का दोबारा बैनामा पूर्व ब्लॉक प्रमुख अशोक सिंह और उनकी पत्नी रमा सिंह के नाम कर दिया। आरोप है कि छगन लाल को पहले से जानकारी थी कि यह जमीन 2000 में ही बेची जा चुकी है और पूरा भुगतान भी हो चुका है, फिर भी तथ्य छिपाकर दोबारा रजिस्ट्री कर दी गई।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि दूसरे बैनामे के खरीदार अशोक सिंह, रमा सिंह और गवाह सुरेश कुमार व राजेंद्र तिवारी को भी पहले से पता था कि जमीन पहले ही बिक चुकी है। बावजूद इसके सभी ने मिलकर साजिश के तहत दोबारा बैनामा कराया और जमीन पर कब्जा कर लिया।

शकुन सिंह ने पुलिस से आरोपियों के विरुद्ध धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में कार्रवाई और जमीन का कब्जा दिलाने की मांग की है।

कोतवाली प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है।मामले से जुड़े दस्तावेजों और अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है।जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी के आधार पर आगे विधिक कार्रवाई की जाएगी।

द्वादश ज्योतिर्लिंग शिव रुद्राभिषेक' का भव्य शुभारंभ, संतों का किया गया हार्दिक अभिनंदन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। हैदराबाद में धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहर को अक्षुण्ण बनाए रखने के उद्देश्य से हैदराबाद में आयोजित पाँच दिवसीय 'द्वादश ज्योतिर्लिंग भगवान शिव रुद्राभिषेक' का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी बंधुओं ने शिरकत कर शिव आराधना का आनंद लिया। अनुष्ठान के प्रथम दिवस समाज सेवी सौरभ तिवारी ने कार्यक्रम में पहुँचकर पूज्य आचार्य बृजमोहन महाराज , देवी दयाल तथा श्याम मोहन पाण्डेय सहित पूरी आयोजन टीम का तिलक लगाकर एवं अंगवस्त्र भेंटकर भावपूर्ण अभिनंदन किया। सौरभ तिवारी जिला सह संयोजक

भारतीय जनता पार्टी उन्नाव ने बताया कि यह अलौकिक एवं आध्यात्मिक अनुष्ठान 5 जुलाई से 9 जुलाई तक निरंतर आयोजित किया जाएगा।इसमें प्रतिदिन विशेष पूजन, रुद्राभिषेक एवं धार्मिक प्रवचनों का आयोजन होगा। उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर पर पहुँचकर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने और धर्म लाभ उठाने की अपील की है। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।

निजी अस्पताल में इलाज के दौरान युवती की मौत परिजनो ने लगाया लापरवाही का आरोप

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के कस्बा हैदराबाद में स्थित एक निजी अस्पताल में मंगलवार की रात युवती को ब्लड चढाते समय हालत बिगड़ने लगी और थोड़ी देर बाद उसकी मौत हो गयी युवती की मौत होने पर निजी अस्पताल के डाक्टर सहित पूरा स्टाफ मौके से भाग निकला परिजनों ने डाक्टर पर गलत तरीके से खून चढाने का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे हंगामे की सूचना पर बडी संख्या में पुलिस बल के साथ एसडीएम हसनगंज शालिनी सिंह तोमर मौके पर पहुंची और आक्रोशित परिजनों को उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाते हुए शांत कराया और आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया मृतका के पिता की तहरीर पर पुलिस ने डा सहित अन्य स्टाफ के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।माखी थाना क्षेत्र के बिरसिंह पुर गांव निवासी स्वामी दयाल ने पुलिस को दी गयी तहरीर में आरोप लगाया कि छोटी बेटी सविता 25 बीमार चल रही थी जिसका इलाज चल रहा था बेटी के शरीर में खून की कमी बता कर डाक्टर ने एक्सपायरी डेट का खून चढाया और गलत इंजेक्शन लगा दिया जिससे बेटी की हालत बिगड़ने लगी जिस पर इलाज कर रहे डा अनिल कुमार त्रिपाठी ने हाथ खड़े कर दिए और स्टाफ सहित मौके से अस्पताल छोड़ कर भाग निकले युवती की मौत होने पर परिजन भडक गए और अस्पताल में हंगामा करने लगे घटना की सूचना पर चौकी प्रभारी हैदराबाद आसीवन थाना प्रभारी प्रदीप सिंह मौके पर पहुंचे और रात में एसडीएम हसनगंज को जानकारी दी जिस पर वह मौके पर पहुंची और आक्रोशित परिजनों को समझा बुझा कर शांत कराया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया मृतका दो बहनों के बीच छोटी थी बड़ी बहन सोनालिका की शादी हो चुकी है मां उर्मिला की तेइस साल पहले डिलीवरी के समय मौत हो गयी थी

इस सम्बंध में थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि पिता की तहरीर पर डा अनिल कुमार त्रिपाठी अस्पताल का पूरा स्टाफ के साथ ही पैथोलॉजी संचालक के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज कर लिया गया है।

घर से मंदिर के लिए निकला युवक लापता, पुलिस ने दर्ज की गुमशुदगी

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव।बिहार थाना क्षेत्र से एक 40 वर्षीय युवक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया है। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। रामचरन्खेड़ा मजररा पुरंदरपुर निवासी सुनील कुमार 40 वर्ष पुत्र स्व0 रामबरन 3 अगस्त 2026 की सुबह लगभग 7 बजे घर से निकले थे। बताया जा रहा है कि वह काली पल्सर मोटरसाइकिल वढ-33`-4760 से जागेश्वर मंदिर कुंभी जा रहे थे। काफी देर तक घर न लौटने परिजनों ने रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर उनकी खोजबीन की। कोई जानकारी न मिलने पर चिंतित परिवार ने बिहार थाने पहुंचकर सूचना दी।सूचना पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए गुमशुदगी दर्ज कर ली है। मामले की

जांच उपनिरीक्षक प्रयास पांडेय को सौंपी गई है। पुलिस टोल प्लाजा और रास्तों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। इसके साथ ही आसपास के थानों को भी लापता युवक का विवरण भेज दिया गया है।

एक दशक से जर्जर पड़ा नाला, मकानों और स्कूल पर मंडरा रहा खतरा

अमन लेखनी समाचार

परियर, उन्नाव। विकास खंड सिकंदरपुर सरोसी की ग्राम पंचायत मरौंदा मझवारा के मुख्य बाजार का नाला पिछले करीब एक दशक से प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। नाले की जर्जर स्थिति के कारण आसपास के मकानों पर खतरा मंडरा रहा है। वहीं बरसात के दौरान कल्याणी नदी का बाढ़ का पानी भी इसी नाले के रास्ते गांव में प्रवेश कर जाता है, जिससे ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों के अनुसार करीब 10 वर्ष पहले तक नाले के किनारे ईंटों की पक्की बाउंड्री बनी थी, लेकिन समय के साथ वह पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इसके बाद न तो बाउंड्री का पुनर्निर्माण कराया गया और न ही नाले की समुचित सफाई व मरम्मत कराई गई। नाले के किनारे रहने वाले बीरेन्द्र सिंह का मकान कटान के कारण कभी भी

ढह सकता है। इसके अलावा पास स्थित सरकारी विद्यालय सहित कई अन्य मकान भी खतरे की जद में हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हल्की बारिश में भी नाले के किनारे की मिट्टी कटकर बह जाती है, जिससे हालात लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यह नाला सीधे कल्याणी नदी से जुड़ा है। हर वर्ष नदी में बाढ़ आने पर पानी इसी रास्ते गांव में घुस जाता है, जिससे जलभराव और नुकसान की आशंका बनी रहती है। राजेश गौतम, जमुना, श्यामजी द्विवेदी, अनिल गौतम समेत अन्य ग्रामीणों का कहना है कि कई बार अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि पहले नाले के निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत हुआ था, लेकिन बजट की कमी का हवाला देकर उसे मरौंदा के हीराखेड़ा की ओर स्थानांतरित कर दिया गया। इसके बाद दोबारा प्रस्ताव भी नहीं भेजा गया। ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से बरसात के मौसम में किसी भी संभावित हादसे से पहले नाले की तत्काल सफाई कराने और मजबूत पक्की बाउंड्री का निर्माण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते समाधान नहीं किया गया तो बड़ा हादसा हो सकता है।

युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन की समाप्त

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव।थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है! मंगलवार की रात एक परिवार तब गहरे सदमे में डूब गया, जब 26 वर्षीय सूरज दीक्षित ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। परिजनों के मुताबिक, सूरज पेशे से ड्राइवर था और उसे शराब की लत थी।मंगलवार रात भी वह भारी नशे में धुत होकर घर लौटा था।बताया जा रहा है कि घर लौटने से ठीक पहले उसका किसी से जोरदार झगड़ा हुआ था। क्या उसी विवाद ने सूरज को इतना मानसिक तनाव दिया कि उसने जिंदगी खत्म करने का यह खौफनाक फैसला ले लिया पुलिस अब इसी गुत्थी को सुलझाने में जुटी है। दो साल पहले ही बसा था घर, अधूरे रह गए सपनों के महल! सूरज की शादी महज दो साल पहले असोहा की रहने वाली जानवी से हुई थी। परिवार का सबसे बड़ा बेटा होने के नाते उस पर माता-पिता, दो भाइयों और

दो बहनों की जिम्मेदारी थी। सबसे ज्यादा रुला देने वाली बात यह है कि सूरज सरकारी योजना के तहत अपने सपनों का आशियाना बना रहा था। मकान की दीवारें तो खड़ी हो गई थीं, लेकिन छत पड़ने से पहले ही परिवार की उम्मीदों का साया हमेशा के लिए उठ गया। घटना की भनक लगते ही बीघापुर थाना पुलिस फौरन एक्शन में आई।शव को कब्जे में लेकर बुधवार को पोस्टमार्टम कराया गया।पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का ही लग रहा है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विवाद से जुड़े हर एक सुराग की बारीकी से जांच की जा रही है।इस घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पूरे गांव में मातम का सन्नाटा पसरा है!

ठेले से टकराकर गिरे स्कूटी सवार को डंपर ने रौंदा, मौके पर मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव।लखनऊ-कानपुर हाईवे पर उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक भीषण सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार युवक की जान चली गई।नवीन मंडी पुल के पास गलत दिशा से आ रहे एक सब्जी के ठेले से टकराकर युवक सड़क पर गिर पड़ा, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार डंपर ने उसे बेरहमी से कुचल दिया। मियागंज के हैदराबाद निवासी 25 वर्षीय मोहम्मद इरफान (पुत्र रमजान अली)। इरफान एक फैक्ट्री में सप्लायर का काम करता था। कैसे हुई दुर्घटनाः प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर करीब 12 बजे एक सब्जी विक्रेता रॉन्ग साइड (गलत दिशा) से ठेला लेकर हाईवे पार कर रहा था।इसी दौरान इरफान की स्कूटी ठेले से टकरा गई।टक्कर के बाद वह अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गया।डंपर चालक की लापरवाहीः इरफान के गिरते ही पीछे से आ रहे एक अज्ञात डंपर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया।गंभीर चोटें आने की वजह से इरफान की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद डंपर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है ताकि आरोपी चालक और वाहन की जल्द पहचान की जा सके।हादसे के कारण हाईवे पर यातायात कुछ देर के लिए प्रभावित हुआ, जिसे मौके पर पहुंची पुलिस ने तुरंत सुचारू करवा दिया।शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है।हर पहलू की हो रही जांचः पुलिस शुरूआती जांच में गलत दिशा से आ रहे सब्जी के ठेले को हादसे की मुख्य वजह मान रही है। हालांकि, सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है।परिजनों की तहरीर और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।बुधवार दोपहर किसी काम से उन्नाव जा रहे इरफान की इस अचानक और दर्दनाक मौत की खबर जैसे ही उसके घर पहुंची, पूरे परिवार में कोहराम मच गया और मातम पसर गया है।

एसडीएम ने सीएचसी का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर। उपजिलाधिकारी फाल्गुनी सिंह बुधवार की सुबह अचानक मियागंज अस्पताल पहुंच गयी जहाँ उन्होंने ओपीडी,दवा स्टाक, उपस्थित रजिस्टर,लैब एक्स-रे रूम,कोल्ड चैन वार्ड व लेवर रूम का निरीक्षण किया ओपीडी में मरीज देख रहे डाक्टर अभिनव निगम से दवा और मरीजों के बारे में जानकारी की और महिला डॉक्टर अर्पिता सोनकर से पूछा कि इस समय किस बीमारी के अधिक मरीज आ रहें हैं उन्होंने बताया कि इस समय बरसात के मौसम में जुकाम बुखार के मरीज अधिक है वहीं सीएचसी प्रभारी डाक्टर पंकज वर्मा से स्टाफ उपस्थित की जानकारी ली और अस्पताल परिसर में खड़ी घास व गंदगी देख साफ सफाई के आवश्यक दिशा निर्देश दिए वहीं फार्मासिस्ट रोहित बाजपेई से दवा स्टाक के बारे पूछा रोहित बाजपेई ने बताया सरकार द्वारा 243 दवायें उपलब्ध करायी जाती हैं जिसमें एक दो को छोड़कर सभी दवायें उपलब्ध है एंटी वेनम व रैवीज वैक्सीन भी प्रयाप्त मात्रा में उपलब्ध है निरीक्षण के दौरान सीएचसी का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

बंद पड़ा पीएचसी केंद्र ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। क्षेत्र के ग्राम संदाना में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर बुधवार को ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया।प्रदर्शनकारियों ने स्वास्थ्य केंद्र को शीघ्र संचालित कराने की मांग उठाई।बुजुर्ग ग्रामीणों ने बताया कि शिलान्यास के बाद यह स्वास्थ्य केंद्र केवल एक माह तक संचालित हुआ, जिसके बाद से आज तक बंद पड़ा है। इससे क्षेत्र के लोगों को इलाज के लिए दूर-दराज के अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है।गरीब, बुजुर्ग, महिलाओं और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों से संदाना का बंद स्वास्थ्य केंद्र जल्द ही चालू कराने की मांग कि है। जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

ग्रामीणों की शिकायत पर कोटेदार की जांच शुरू

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। विकास खंड मियागंज क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुरव्वत पुर के ग्रामीणों ने शनिवार तहसील में आयोजित समाधान दिवस में कोटेदार के खिलाफ राशन न देने का आरोप लगाते हुए शिकायती पत्र दिया था जिस पर बुधवार को सप्लाई इंस्पेक्टर हसनगंज ने गांव पहुंचकर जांच पड़ताल की और जांच रिपोर्ट जिलापूर्ति अधिकारी को सौंपने की बात कही है।

ग्राम पंचायत मुरव्वत पुर के ग्रामीणों में उर्मिला, रामदयाल, संता, शिवपाल, पप्पी, मंजू सहित अन्य ग्रामीणों ने हसनगंज तहसील में आयोजित समाधान दिवस में कोटेदार उमा देवी पत्नी शैलेन्द्र कुमार पर आरोप लगाते हुए शिकायती पत्र देते हुए आरोप लगाया कि कोटेदार द्वारा अंगूठा लगवा लिया जाता है और राशन नहीं दिया जाता है कोटेदार द्वारा यह कहकर वापस कर दिया जाता है कि अंगूठा लगा दो अगले महीने राशन आएगा तब ले लेना अगले महीने बता दिया जाता है कि राशन नहीं आया है जिसपर बुधवार को दोपहर करीब तीन बजे सप्लाई इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र ने गांव पहुंचकर करीब 30 कार्ड धारकों के बयान दर्ज किए इस सम्बंध में सप्लाई इंस्पेक्टर हसनगंज दिनेश चंद्र ने बताया कि तथ्यों की जांच कर जांच रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी।

सम्पादकीय

नशामुक्त युवा विकसित भारत की मजबूत नींव

नशा किसी एक व्यक्ति की जिंदगी बर्बाद करने वाला अभिशाप भर नहीं है, यह समाज और राष्ट्र की ताकत को भीतर से कमजोर करने वाला गंभीर खतरा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत करते हुए ड्रग्स की सप्लाई को दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा बताया है। उनका यह बयान नशे की समस्या को केवल स्वास्थ्य या कानून-व्यवस्था के सवाल से आगे ले जाकर राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ता है। यदि किसी देश के युवाओं को सुनियोजित तरीके से नशे की गिरफ्त में धकेलने की कोशिश होती है तो उसका मुकाबला भी उतनी ही गंभीरता और रणनीति के साथ करना होगा। भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास, आधुनिक तकनीक और मजबूत बुनियादी ढांचे से पूरा नहीं होगा। इसकी सबसे मजबूत नींव देश का स्वस्थ, शिक्षित, सक्षम और नशामुक्त युवा होगा। नशा युवाओं के सपनों पर सबसे पहले हमला करता है। जिस उम्र में युवा शिक्षा हासिल कर सकता है, हुनर विकसित कर सकता है, खेल में आगे बढ़ सकता है या अपना कारोबार शुरू कर सकता है, उसी उम्र में नशे की गिरफ्त उसका भविष्य रोक सकती है। नशा कुछ समय के लिए मानसिक उत्तेजना या राहत का भ्रम दे सकता है, लेकिन इसकी कीमत स्वास्थ्य, पैसा, रिश्तों और करियर से चुकानी पड़ती है। प्रधानमंत्री ने ड्रग्स की सप्लाई को दुश्मन देशों की आतंकी साजिश से जोड़ते हुए जिस खतरे की ओर संकेत किया है, उसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। यदि नशीले पदार्थों की तस्करी के पीछे संगठित अपराध और देशविरोधी नेटवर्क सक्रिय हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई केवल कानून-व्यवस्था का अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की लड़ाई भी है। ड्रग्स के उत्पादन, तस्करी और वितरण से जुड़े पूरे नेटवर्क को तोड़ना होगा। सीमाओं से लेकर शहरों और गांवों तक पहुंच चुकी सप्लाई चेन पर लगातार और प्रभावी निगरानी जरूरी है। हालांकि केवल तस्करों पर कार्रवाई से नशे की समस्या खत्म नहीं होगी। जितनी जरूरी सप्लाई रोकना है, उतना ही जरूरी नशे की मांग को कम करना भी है। इसके लिए परिवारों, स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों को आगे आना होगा। युवाओं को नशे के नुकसान के बारे में केवल भाषण देने से बात नहीं बनेगी। उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के ठोस अवसर देने होंगे। खेल के मैदान, कौशल विकास, रोजगार, स्टार्टअप, कला, संगीत और रचनात्मक गतिविधियां युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा दे सकती हैं। इसी दृष्टि से अगले 100 सप्ताह तक हर रविवार नशामुक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने की पहल को जनभागीदारी से जोड़ना जरूरी है। किसी अभियान की सफलता केवल शपथ लेने या कार्यक्रम आयोजित करने से नहीं मापी जा सकती। असली सफलता तब होगी, जब नशे की उपलब्धता घटे, युवाओं में जागरूकता बढ़े और नशे की गिरफ्त में आ चुके लोगों को समय पर उपचार और पुनर्वास मिले। नशामुक्त भारत का सपना तभी साकार होगा, जब सरकार की सख्ती और समाज की संवेदनशीलता साथ चलें। तस्करों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो, लेकिन युवाओं के लिए बेहतर शिक्षा, खेल, रोजगार और स्वस्थ मनोरंजन के रास्ते भी खुलें। परिवार बच्चों से संवाद बढ़ाएं और शिक्षण संस्थान केवल परीक्षा परिणाम नहीं, विद्यार्थियों के मानसिक और सामाजिक विकास पर भी ध्यान दें। नशामुक्त युवा ही स्वस्थ समाज की ताकत और विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव हैं।

राष्ट्रमंडल खेल

महेन्द्र तिवारी

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय मुक्केबाजों ने ठीक ऐसा ही एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है। जब रिंग में भारत के मुक्केबाज उतर रहे थे तो उनके चेहरों पर एक अलग ही आत्मविश्वास और आंखों में जीत की अचूक चमक थी। यह चमक केवल एक दिन की मेहनत का परिणाम नहीं थी, बल्कि इसके पीछे सालों का पसीना, अनगिनत संघर्ष और वैश्विक पटल पर खुद को साबित करने की अदम्य इच्छाशक्ति छिपी थी। भारतीय दल ने इस बार बॉक्सिंग इवेंट के दस फाइनल मुकाबलों में हिस्सा लिया और सभी दस में पदक जीतकर यह साबित कर दिया कि भारतीय मुक्केबाजी अब एक नए मुकाम पर पहुंच चुकी है। सात स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतना कोई सामान्य बात नहीं है।

भारतीय बॉक्सिंग में सुनहरा अध्याय

खेलों की दुनिया में कुछ क्षण ऐसे होते हैं जो इतिहास के पन्नों पर हमेशा के लिए स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो जाते हैं। ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय मुक्केबाजों ने ठीक ऐसा ही एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है। जब रिंग में भारत के मुक्केबाज उतर रहे थे तो उनके चेहरों पर एक अलग ही आत्मविश्वास और आंखों में जीत की अचूक चमक थी। यह चमक केवल एक दिन की मेहनत का परिणाम नहीं थी, बल्कि इसके पीछे सालों का पसीना, अनगिनत संघर्ष और वैश्विक पटल पर खुद को साबित करने की अदम्य इच्छाशक्ति छिपी थी।

भारतीय दल ने इस बार बॉक्सिंग इवेंट के दस फाइनल मुकाबलों में हिस्सा लिया और सभी दस में पदक जीतकर यह साबित कर दिया कि भारतीय मुक्केबाजी अब एक नए मुकाम पर पहुंच चुकी है। सात स्वर्ण और तीन रजत पदक जीतना कोई सामान्य बात नहीं है। यह राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में भारत का अब तक का सबसे बेहतरीन मुक्केबाजी प्रदर्शन है जिसने देश का सिर फक्र से ऊंचा कर दिया है। इस ऐतिहासिक सफलता को केवल पदकों की संख्या से नहीं आंका जा सकता है। इसके पीछे भारत के छोटे शहरों, गांवों और कस्बों से निकलकर आई उन प्रतिभाओं की कहानी है जिन्होंने तमाम अभावों के बावजूद अपने सपनों को मरने नहीं दिया। जब हम मुक्केबाजी की बात करते हैं तो हरियाणा के भिवानी और रोहतक जैसे शहरों का जिक्र आना स्वाभाविक है, लेकिन इस बार पदक विजेताओं की सूची इस बात की गवाही देती है कि अब खेल का यह जुनून पूरे देश में फैल चुका है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ की दूरदर्शी नीतियां, सरकार का निरंतर समर्थन और प्रशिक्षकों की दिन-रात की मेहनत ने मिलकर एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार किया है जहां अब केवल हिस्सा लेने के लिए नहीं, बल्कि जीतने के लिए खिलाड़ी रिंग में उतरते हैं। इस बार का प्रदर्शन इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि भारतीय मुक्केबाज अब तकनीकी और शारीरिक दोनों ही मोर्चों पर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को धूल चटाने का माद्दा रखते हैं। इस अभूतपूर्व सफलता में सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली बात भारतीय महिला मुक्केबाजों का दबदबा रहा है। महिला वर्ग में भारत ने पांच अलग-अलग भार वर्गों में सीधे स्वर्ण पदक अपने नाम किए जो महिला सशक्तिकरण की एक जीती जागती मिसाल है। 51 किलोग्राम भार वर्ग में साक्षी चौधरी, 54 किलोग्राम में प्रीति पवार, 57 किलोग्राम में जैस्मिन लंबोरिया, 60 किलोग्राम में प्रिया घणघस और 70 किलोग्राम भार वर्ग में अरुंधति चौधरी ने जिस आक्रामकता और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया उसने पूरी दुनिया के खेल पंडितों को चकित कर दिया। इन महिला खिलाड़ियों ने साबित कर दिया कि भारतीय बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। उनके घूंसे केवल विरोधी खिलाड़ियों पर ही नहीं पड़े, बल्कि समाज की उस रूढ़िवादी सोच पर भी पड़े हैं जो लड़कियों को चारदीवारी में सीमित रखना चाहती है। रिंग के अंदर उनकी फुर्ती, सटीक फुटवर्क और सही समय पर पंच मारने की कला ने उन्हें अजेय बना दिया। यह जीत भारत की हर उस युवा लड़की के लिए एक प्रेरणा है, जो अपने लिए एक बड़ा सपना देखने की हिम्मत जुटा रही है। पुरुष वर्ग में भी भारतीय मुक्केबाजों ने अपने शानदार प्रदर्शन

से पदकों की झड़ी लगा दी। साठ किलोग्राम भार वर्ग में सचिन सिवाच और अस्सी किलोग्राम भार वर्ग में अंकुश पंघाल ने स्वर्ण पदक जीतकर यह संदेश दिया कि भारतीय पुरुष मुक्केबाजी का भविष्य अत्यंत सुरक्षित और उज्ज्वल है। इन दोनों युवा खिलाड़ियों ने रिंग में जिस संयम और आक्रामकता का संतुलन दिखाया, वह देखने लायक था। उन्होंने अपने विरोधियों को कोई मौका नहीं दिया और अपनी अचूक रणनीतियों से मुकाबलों को एकतरफा बना दिया। इसके अलावा, 55 किलोग्राम में जदुमणि सिंह और नब्बे प्लस किलोग्राम भार वर्ग में नरेंद्र बेरवाल ने भी रजत पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। यह रजत पदक भी सोने से कम नहीं हैं क्योंकि उन्होंने फाइनल तक के सफर में दुनिया के कई दिग्गज मुक्केबाजों को मात दी थी। उनका यह प्रदर्शन आने वाले विश्व कप और ओलंपिक जैसे बड़े आयोजनों के लिए एक मजबूत नींव का काम करेगा। अनुभवी खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी इस दल की एक बड़ी ताकत रहा। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने 75 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर अपनी निरंतरता साबित की। खेल में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं और कई बार फाइनल मुकाबले बहुत ही करीबी अंतर से छूट जाते हैं, लेकिन लवलीना का पोडियम तक पहुंचना यह बताता है कि उनके अंदर अभी भी खेल के प्रति वही पुरानी आग बाकी है। उनकी उपस्थिति मात्र से ही युवा खिलाड़ियों को बहुत कुछ सीखने को मिला होगा। एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में उन्होंने पूरे दल का मार्गदर्शन किया और उनका यह अनुभव भविष्य की प्रतियोगिताओं में भारत के लिए बहुत उपयोगी साबित होने वाला है। इस जीत के पीछे के विज्ञान और तकनीकी पहलुओं को समझना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

आज के दौर में मुक्केबाजी केवल ताकत का खेल नहीं रह गया है। यह दिमाग, तकनीक, स्पोर्ट्स साइंस और वीडियो एनालिटिक्स का एक जटिल मिश्रण बन चुका है। भारतीय मुक्केबाजों की इस सफलता के पीछे उनके कोच और सपोर्ट स्टाफ का एक बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने हर विरोधी खिलाड़ी की कमजोरियों का बारीकी से अध्ययन किया और उसी के अनुसार रणनीतियां बनाईं। खिलाड़ियों की डाइट से लेकर उनकी मानसिक सेहत तक हर छोटी-छोटी बात का ख्याल रखा गया। हाल ही में खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा जो भारी भरकम बजट आवंटित किया गया है, उसका असर अब जमीन पर दिखने लगा है। जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को तराशने की जो मुहिम शुरू की गई थी, वह अब वटवृक्ष का रूप ले रही है। जब किसी एथलीट को विश्व स्तरीय सुविधाएं मिलती हैं तो उसका आत्मविश्वास अपने आप बढ़ जाता है और यही आत्मविश्वास हमें ग्लासगो के बॉक्सिंग अरीना में देखने को मिला। राष्ट्रमंडल खेलों में मुक्केबाजी के इस स्वर्णिम प्रदर्शन ने भारत की समग्र पदक तालिका में भी एक बड़ा उछाल ला दिया है। इसके कारण भारत अंक तालिका में शीर्ष देशों की कतार में मजबूती से खड़ा हो गया है। एक समय था जब भारत केवल शूटिंग या कुश्ती जैसे कुछ गिने-चुने खेलों पर ही पदकों के लिए निर्भर रहता था, लेकिन अब मुक्केबाजी ने भी खुद को एक प्रमुख खेल के रूप में स्थापित कर लिया है। यह बदलाव रातोंरात नहीं आया है। वर्ष दो हजार अठारह के गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने तीन स्वर्ण सहित कुल सात पदक जीते थे, जो उस समय तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। लेकिन अब उस रिकॉर्ड को तोड़ते हुए दस पदक और उनमें भी सात स्वर्ण जीतना एक बहुत बड़ी छलांग है। भारतीय मुक्केबाजी का यह स्वर्णिम युग अभी बस शुरू ही हुआ है और आने वाले समय में यह खेल दुनिया भर में भारत का नाम और भी रोशन करेगा।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता

अरविंद जयतिलक

'समुद्र मंथन' से ब्लैक रिवॉल्यूशन का आगाज

केंद्रीय कैबिनेट ने 84,084 करोड़ रुपये की 'समुद्र मंथन' नेशनल ऑफशोर एक्सप्लोरेशन स्कीम को मंजूरी देकर ऊर्जा क्षेत्र की मजबूती के लिए शानदार पहल की है। इस पहल से गहरे समुद्र में तेल और गैस की खोज के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा तैयार होगा, जिससे तेल उत्पादन का रास्ता खुलेगा। किसी से छिपा नहीं है कि गहरे समुद्र में तेल खोज की पहल बेहद ही महंगा और जोखिम भरा कार्य होता है। इसलिए भारत सरकार ने इस योजना के लिए भारी वित्तीय मदद की कार्ययोजना तैयार कर ली है। इस योजना के तहत खोजी कुओं की ड्रिलिंग लागत का तकरीबन 50 प्रतिशत तक या अधिकतम 675 करोड़ रुपये प्रति कुआं सरकार द्वारा वापस किया जाएगा। सरकार द्वारा समुद्र में भू-वैज्ञानिक आंकड़े और सामान्य बुनियादी ढांचा खड़ा करने के लिए भी भारी निवेश किया जाएगा। खोजों को बढ़ावा देने के लिए ओपल जैसी नीतियां लागू की हैं, जिससे घरेलू तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह भारत के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। निसंदेह इस पहल से देश में तेल और गैस का उत्पादन बढ़ाने और विदेशों से होने वाले आयात पर निर्भरता कम होगी। माना जा रहा है कि इस पहल से 600 मिलियन मिट्रिक टन तेल समतुल्य से अधिक के हाइड्रोकार्बन भंडार तक पहुंचने और घरेलू तेल और गैस उत्पादन में भारी वृद्धि होगी। घरेलू उत्पादन बढ़ने से न सिर्फ देश की जरूरतें पूरी होंगी, बल्कि विदेशी मुद्रा की भी भारी बचत होगी। भारत को प्रतिवर्ष तेल खरीदने के लिए तकरीबन 144 अरब डॉलर (लगभग 13 लाख करोड़ रुपये) खर्च करना पड़ता है। कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों और भू-राजनीतिक तनावों के कारण बिल में उतार-चढ़ाव और मुश्किलें पैदा कर देता है। इससे अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचता है। इससे बचने के लिए ही भारत ने रूस जैसे आपूर्तिकर्ता देशों के साथ रुपये में व्यापार तंत्र को काफी बढ़ावा दिया है। यह तथ्य है कि पिछले एक दशक में कच्चे तेल के निमित्त विदेशों पर निर्भरता 77 प्रतिशत से बढ़कर 88 प्रतिशत हो चुकी है। इससे भारत पर अरबों डॉलर के भुगतान का दबाव बढ़ गया है। अगर भारत में कच्चे तेल के उत्पादन में वृद्धि होती है तो विदेशी मुद्रा की बचत होगी और देश की समृद्धि बढ़ेगी। गौर करें तो भारत न केवल कच्चा तेल बल्कि अपनी जरूरत का तकरीबन 60 प्रतिशत नेचुरल गैस भी विदेश से आयात करता है।

भारत मुख्य रूप से कतर, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब से गैस मंगाता है। पश्चिम एशिया में संकट बढ़ने के उपरांत अब भारत अमेरिका और नार्वे जैसे देशों से भी गैस का आयात कर रहा है। अभी तक भारत की निर्भरता काफी हद तक खाड़ी देशों पर ही रही है, लेकिन बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत को अपनी आयात रणनीति बदलनी पड़ रही है। इसका मुख्य कारण देश में गैस की लगातार बढ़ती मांग है। आज देश के करीब 98 फीसदी परिवारों तक एलपीजी की पहुंच है। इसके अतिरिक्त औद्योगिक विकास तेज होने के कारण भी गैस की मांग कई गुना अधिक बढ़ गई है। आंकड़ों पर गौर करें तो भारत में एलपीजी की खपत सालाना लगभग 3.13 करोड़ टन तक पहुंच चुकी है। दैनिक स्तर पर यहां रोजाना 72000 से 90000 टन तक गैस की खपत होती है। पिछले एक दशक में भारत में एलपीजी की खपत 60 प्रतिशत बढ़ी है। विडंबना यह है कि खपत बढ़ने के बावजूद उस अनुपात में एलपीजी गैस उत्पादन में वृद्धि नहीं हुई है। भारत में खपत होने वाले एलपीजी का सिर्फ 40 प्रतिशत हिस्सा ही उत्पादन होता है। 2015-16 में भारत में खपत होने वाले एलपीजी का लगभग 54 प्रतिशत हिस्सा देश में तैयार होता था जबकि इसके उलट 2024-25 में यह हिस्सा घटकर लगभग 41 प्रतिशत रह गया है। एक आंकड़े के मुताबिक पेट्रोल और डीजल की मांग में हर वर्ष 6 से 7 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। इसके लिए अपने ही देश में कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाना आवश्यक हो गया है। तथ्यों पर नजर दौड़ाएं तो भारत में कच्चे तेल का कुल उत्पादन तकरीबन 5.3 लाख से 5.8 लाख बैरल प्रतिदिन है। यह देश की कुल मांग का अधिकतम 20 प्रतिशत है।

आध्यात्मिक चेतना आखिर क्या है

संकलित

दर्शन

आज मनुष्य अत्यधिक भौतिकवादी तथा लालची हो गया है। बलिदान, त्याग, संतोष, प्रज्ञा, चिंतन-मनन, मुक्ति और मोक्ष जैसे शब्द हमारे शब्दकोश से धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं, जो कि आध्यात्मिक मूल्यों के द्योतक रहे हैं। व्यापक उपभोगवादी संस्कृति तथा भोग-विलास से पोषित भौतिकवाद की नई उभरी संस्कृति ने आध्यात्मिक चेतना पर पर्दा डाल दिया है। धन-अर्जन, सत्ता तथा प्रसिद्धि की लालसा और सुखवादी जीवन-प्रणाली आज जीवन का परम लक्ष्य है। सभी धर्मों ने लालच को महापाप कहा है, परंतु आज लालच ही मुख्य प्रेरणा-द्वार है। ऋषि-मुनि आध्यात्मिक मूल्यों को सर्वोच्च महत्व देते हैं। हिंदू धर्म के आध्यात्मिक मूल्यों का अनुक्रम है-धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष। अर्थ तथा काम संसारिक मूल्य हैं, जबकि धर्म तथा मोक्ष आध्यात्मिक मूल्य हैं, परंतु धर्म का स्थान सर्वदा प्रथम है। यह अर्थ तथा काम दोनों का प्रेरक तथा नियंत्रक है। जीवन के हिंदू दृष्टिकोण के अनुसार, सात्विक सर्वाधिक ऊंचा आदर्श है। इसके बाद राजसी का स्थान है, जो एक आदर्श नहीं, परंतु सामाजिक आवश्यकता है। तामसिक सबसे अधिक अपमानजनक वृत्ति है, जिससे सभी बुद्धिमान दूर रहते हैं। मनु की पद्धति में सतत्व को न्याय की संज्ञा दी गई है, राजस को आकांक्षा की तथा तमस को इच्छाओं की। महापुरुषों ने चिंतन-मनन को मनुष्य के परम आनंद के रूप में देखा। आंतरिक शांति तथा आध्यात्मिक ज्ञान के लिए समर्पित जीवन ही मानव गतिविधियों का सवरेत्तम रूप है।

अपनी वाणी को मधुर बनाना जरूरी

संकलित

प्रेरणा

एक बार वसंत ऋतु में एक कोयल वृक्ष पर बैठी कूक रही थी। आते-जाते लोग उसकी कूक को सुनते और उसकी सुरीली आवाज का आनंद लेते हुए उसकी तारीफ के पुल बांधते। कुछ देर बाद कोयल के सामने एक कौआ तेज गति से आया। कोयल ने उससे पूछाः इतनी तेज गति से कहां जा रहे हो? कुछ देर बैठो, बातें करते हैं। कौए ने उत्तर दियाः कि वह जरा जल्दी में है और देश को छोड़कर परदेस जा रहा है। कोयल ने इसका कारण पूछा तो कौआ बोलाः यहां के लोग बहुत खराब हैं। सब तुम्हें ही चाहते हैं। सभी लोग सिर्फ तुम्हारा आदर करते हैं। वह यही चाहते हैं कि तुम हमेशा की तरह इसी प्रकार से उनके क्षेत्र में गाती रहो। वहीं जहां तक मेरी बात है तो मुझे कोई देखना तक नहीं चाहता। यहां तक कि मैं किसी की मुंडेर पर बैठता हूं तो मुझे कंकड़ मारकर वहां से भगा दिया जाता है। मेरी आवाज भी कोई नहीं सुनना चाहता। जहां मेरा अपमान हो, मैं ऐसे स्थान पर एक क्षण भी नहीं रहना चाहता। ज्ञानियों ने भी हमें यही शिक्षा दी है कि अपमान की जगह पर नहीं रहना चाहिए। यह सुनकर कोयल बोली, परदेस जाना चाहते हो तो बड़े शौक से जाओ। यह पूरी तरह से तुम्हारी इच्छा पर निर्भर है। लेकिन एक बात का सदैव ध्यान रखना कि वहां जाने से पहले अपनी आवाज को बदल लेना। अपनी वाणी को मधुर बना लेना। यदि तुम्हारी वाणी ठीक वैसी ही कठोर रही, जैसी यहां पर है तो परदेस में भी लोग तुम्हारे साथ वही व्यवहार करेंगे जो अभी हो रहा है। संसार जो है, जैसा भी है, उसे बदला नहीं जा सकता।

विश्व स्तनपान सप्ताह पर विशेष

'जीवन की सतत शुरूआत के लिए स्तनपान-कारगर उपायों को सुदृढ़ बनाना' थीम पर मनाया जा रहा सप्ताह

जन्म के पहले घंटे में जरूर कराएं स्तनपान, नवजात को बनाएं आयुष्मान

लेखक -मुकेश शर्मा

हिन्दी दैनिक अमन लेखनी लखनऊ

मां का पहला पीला गाढ़ा दूध यानि जन्म के पहले घंटे में स्तनपान नवजात के जीवन की नई शुरूआत का सबसे कारगर और प्रभावी तरीका है।यह जहाँ बच्चे को सम्पूर्ण पोषण प्रदान करता है वहीं रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाता है। इसके अलावा मां और बच्चे में एक जुड़ाव और लगाव भी पैदा करता है।इतने सारे गुणों से भरपूर स्तनपान को लेकर आज भी कई भ्रांतियां और मिथक भी मौजूद हैं, जिनको दूर करने के लिए हर साल एक से सात अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। इस दौरान अस्पतालों और समुदाय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर शीघ्र स्तनपान (जन्म के पहले घंटे) और छह माह तक सिर्फ स्तनपान को बढ़ावा देने का कार्य किया जाता है। इस साल विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम 'जीवन की सतत शुरूआत के लिए स्तनपान-कारगर उपायों को सुदृढ़ बनाना' तय की गयी है।इसका उद्देश्य मां (खासकर कामकाजी महिलाओं) और बच्चे को एक ऐसा बेहतर माहौल प्रदान करना है, जिससे वह स्तनपान में किसी तरह की हिचक या संकोच न महसूस कर सकें। मां का पहला पीला गाढ़ा दूध (कोलेस्ट्रम) को नवजात का पहला टीका भी माना जाता है, क्योंकि वह बच्चे को डायरिया, निमोनिया और कुपोषण समेत कई संक्रामक बीमारियों से महफूज बनाने के साथ ही शारीरिक और मानसिक विकास में भी सहायक साबित होता है। स्तनपान एक तरह से शिशु का मौलिक अधिकार भी है, इसलिए परिवार और कार्यस्थल की जिम्मेदारी बनती है कि वह महिला को एक ऐसा सुरक्षित माहौल प्रदान करें जहाँ पर वह बच्चे को आसानी से स्तनपान करा सके। इसके साथ ही यह भी जानना जरूरी है कि शिशु को छह माह तक सिर्फ और सिर्फ स्तनपान कराना है क्योंकि बाहरी कोई भी चीज देने से उसके संक्रमण की चपेट में आने की पूरी संभावना रहती है। अमृत समान माँ के अनमोल दूध में कार्बोहाईड्रेट, प्रोटीन, स्वस्थ वसा, विटामिन, खनिज और पानी का सही संतुलन होता है। जीवन के पहले छह माह के दौरान शिशु के विकास के लिए इन्हीं चीजों की सबसे अधिक जरूरत भी होती है। इसीलिए छह माह तक माँ अगर बच्चे को भरपूर स्तनपान कराती है तो ऊपर से पानी पिलाने की कोई आवश्यकता नहीं है। बच्चे की खुशहाली और दूध का बहाव अधिक रखने के लिए जरूरी है कि माँ प्रसन्नचित रहें और तनाव व चिंता से दूर रहें। बीमारी की स्थिति में भी माँ बच्चे को पूरी सावधानी के साथ स्तनपान जरूर कराएं क्योंकि यह बच्चे को बीमारी से सुरक्षित बनाता है। स्तनपान से जुड़े कई मिथक भी हैं, जैसे-स्तनपान में कठिनाई या दूध का पूरी तरह से न बनना। जबकि ऐसा कतई नहीं है, यदि बच्चे को सही जुड़ाव और सही तरीके से स्तनपान कराया जाए तो यह समस्या नहीं आ सकती। ऐसा महसूस हो तो जरूर स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र से सम्पर्क कर समस्या का समाधान पाया जा सकता है। इसके अलावा स्तन में दूध पर्याप्त मात्रा में बने इसके लिए जरूरी है कि माताएं अधिक से अधिक तरल पदार्थों और पोषक तत्वों को अपने भोजन में शामिल करें। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और फलों, हरी सब्जियों, साबुत अनाज, प्रोटीन और स्वस्थ वसा से भरपूर संतुलित आहार को अपनाएं ताकि स्वस्थ रहें और दूध भी भरपूर मात्रा में बने। केवल स्तनपान कर रहा शिशु 24 घंटे में छह से आठ बार पेशाब कर रहा है तो यह समझना चाहिए कि उसे भरपूर खुराक मिल रही है। इसके साथ ही स्तनपान के बाद बच्चा कम से कम दो घंटे की नींद ले रहा है और बच्चे का वजन हर माह 500 ग्राम बढ़ रहा है तो किसी तरह की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि यह प्रमाण है कि शिशु को भरपूर मात्रा में माँ का दूध मिल रहा है। नवजात को शीघ्र और नियमित स्तनपान कराने से जन्म के पश्चात बच्चेदानी के जल्दी सिकुड़ने, अधिक रक्तस्राव और एनीमिया से बचाव होता है। इसे एक कारगर गर्भनिरोधक के रूप में भी माना जाता है। मोटापा कम करने और शरीर को सुडौल बनाने में भी यह सहायक होता है। शिशु को स्तनपान कराने से स्तन और अंडाशय के कैंसर से भी बचाव होता है। कृत्रिम आहार या बोतल के दूध में पोषक तत्वों की मात्रा न के बराबर होती है। इसलिए यह बच्चे के पाचन तंत्र को प्रभावित करता है। इससे कुपोषण की जद में आने के साथ ही संक्रमण का जोखिम भी बना रहता है। बौद्धिक विकास को भी यह प्रभावित कर सकता है। रिपोर्ट भी बताती हैं कि छह माह तक लगातार शिशु को केवल स्तनपान कराने से 11 फीसदी दस्त रोग और 15 प्रतिशत निमोनिया के मामले को कम किया जा सकता है।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं)

X ट्रेंड f

जयंती पर श्रद्धांजलि

पिंगली वेंकय्या को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि। उन्हें हमारे देश को तिरंगा देने में उनकी अमूल्य भूमिका के लिए याद किया जाता है। उनकी कोशिशें लोगों को देशसेवा करने के लिए प्रेरित करती रहें।

-**नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

कॉमनवेल्थ गेम्स

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर, गुलवीर सिंह 5000 मीटर और 10000 मीटर दोनों इवेंट्स में कॉमनवेल्थ पोडियम पर जगह बनाने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। उम्मीद है कि आगे भी आप कई यादगार जीत हासिल करेंगे।

- **रेखा गुप्ता**, सीएम, नई दिल्ली

जर्सी का रंग

भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग बदलने का फैसला सिर्फ खेल से जुड़ा मामला नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं और हमारी खेल परंपराओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। आज इस ऐतिहासिक पहचान को बदलने की जरूरत क्यों महसूस की गई।

- **मल्लिकार्जुन खड़गे**, अध्यक्ष, कांग्रेस

इथेनॉल का आयात

सिर्फ ट्रंप को खुश करने के लिए मोदी जी हमारे देश पर जबरदस्ती इथेनॉल थोप रहे हैं। अमेरिका दुनिया में इथेनॉल का सबसे बड़ा उत्पादक है। ई 20 लागू होने के बाद, भारत पिछले साल के मुकाबले अमेरिका से 5 गुना ज्यादा इथेनॉल आयात करेगा।

-**अरविंद केजरीवाल**, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

संक्षेप

फसल विवाद, युवक गंभीर घायल

बकरी से फसल चराने पर मारपीट, चार आरोपी हिरासत में

अमेठी, बकरी द्वारा फसल चराने को लेकर हुए विवाद में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना में युवक के हाथ और पैर टूट गए हैं। पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को हिरासत में लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। यह घटना बाजार शुकुल थाना क्षेत्र में हुई। पीड़ित धर्मेंद्र के पिता देवनारायण पाठक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रविवार शाम करीब 5 बजे जमील की बकरियां उनके खेत में फसल चरने लगीं। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो जमील की पत्नी नाराज हो गई। इसके बाद जमील की पत्नी ने अपने पति जमील और बेटों मोनू, चांद बाबू, शाम बाबू, अच्छू सहित अन्य लोगों को बुला लिया। आरोप है कि इन सभी ने मिलकर धर्मेंद्र, सत्येंद्र और विपिन पर ईंट-पत्थर फेंके, गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। ग्रामीणों के पहुंचने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। अगले दिन, सोमवार सुबह करीब आठ बजे, धर्मेंद्र बाजार से वापस आ रहा था। प्राथमिक विद्यालय के पास विपक्षी दल के लोगों ने उसे रोककर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में धर्मेंद्र के हाथ और पैर टूट गए और उसे गंभीर चोटें आई गंभीर रूप से घायल धर्मेंद्र को तत्काल इलाज के लिए ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। देवनारायण पाठक की तहरीर के आधार पर पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पूरे मामले पर जानकारी देते हुए सीओ अतुल सिंह ने बताया कि सोमवार सुबह देवनारायण पाठक के खेत में जमील की बकरी चरने को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद धर्मेंद्र के साथ मारपीट की गई। उन्होंने पुष्टि की कि देवनारायण की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और चार अभियुक्तों को हिरासत में लेकर आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सई नदी में कूदे युवक का मिला शव

घुइसरनाथ धाम पुल से लगाई थी छलांग, घर से तीन दिन पहले हुआ था लापता

अमेठी, संग्रामपुर थाना क्षेत्र निवासी 25 वर्षीय रवि मौर्य का शव आखिरकार सई नदी से बरामद कर लिया गया। शुक्रवार को प्रतापगढ़ जनपद के घुइसरनाथ धाम स्थित पुल से नदी में छलांग लगाने के बाद युवक लापता हो गया था। घटना के तीसरे दिन रविवार सुबह उसका शव घटनास्थल से करीब दो किलोमीटर दूर उपाध्यायपुर के पास नदी में बांस में फंसा हुआ मिला। सुबह करीब सात बजे नदी किनारे गए ग्रामीणों की नजर पानी में फंसे शव पर पड़ी। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नदी से बाहर निकलवाया। नदी में रहने के कारण शव काफी फूल गया था। ऐसी स्थिति में परिजनों ने उसके कपड़ों के आधार पर शव की पहचान रवि मौर्य के रूप में की। पुलिस ने पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पोस्टमार्टम प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। शव गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया।

रूपईडीहा बना स्मैक तस्करी का हब, 52 ग्राम स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

लगातार हो रही बरामदगी के बावजूद बड़े कारोबारी अब भी सुरक्षा एजेंसियों की पकड़ से दूर

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटा रूपईडीहा क्षेत्र इन दिनों स्मैक तस्करी का प्रमुख ट्रांजिट प्वाइंट बनता जा रहा है। लगभग प्रतिदिन पुलिस और एसएसबी की कार्रवाई में स्मैक तस्कर गिरफ्तार हो रहे हैं, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि अब तक केवल कैरियर या छोटे तस्कर ही पकड़े जा रहे हैं, जबकि इस अवैध कारोबार के कथित बड़े सरगना आज भी कानून की पकड़ से बाहर हैं। लोगों का मानना है कि सीमा पार से संचालित इस नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश तभी लगेगा, जब सुरक्षा एजेंसियां इसके थोक कारोबारियों तक पहुंचें। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि नेपाल पुलिस बड़े मादक पदार्थ कारोबारियों के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई कर रही है।इसी क्रम में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत रुपईडीहा पुलिस एवं एसएसबी की संयुक्त टीम ने मंगलवार देर रात 52 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 11 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं क्षेत्राधिकारी नानपारा चित्रांशु गौतम के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम भारत-नेपाल सीमा पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान सीमांत डिग्री कॉलेज के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 52 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शहजाद पुत्र जव्वाद उम्र 50 वर्ष निवासी पुरानी बाजार बाबागंज, थाना रुपईडीहा, जनपद बहराइच बताया। बरामदगी के आधार पर थाना रुपईडीहा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि बरामद स्मैक कहां से लाई गई थी और इसकी आपूर्ति किसे की जानी थी। कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक राहुल सरोज, आरक्षी अभिषेक राय, अभिषेक सिंह, विपिन गौड़ तथा एसएसबी 42वीं वाहिनी की एफ कंपनी के जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। हालांकि, सीमा क्षेत्र में लगातार हो रही स्मैक बरामदगी यह संकेत दे रही है कि भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी का नेटवर्क अभी भी सक्रिय है। स्थानीय लोगों का मानना है कि केवल छोटे कैरियरों की गिरफ्तारी से इस कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाना संभव नहीं होगा। इसके लिए पूरे नेटवर्क का खुलासा कर बड़े तस्करों और उनके सरगनाओं तक पहुंचना आवश्यक है।

चीफ इंजीनियर पूर्वोत्तर रेलवे तुषार पांडे ने नेपालगंज रोड स्टेशन का किया निरीक्षण

ग्रामीणों ने उठाई आवागमन की मांग

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। बहराइच-रुपईडीहा रेल परियोजना के अंतर्गत बुधवार को पूर्वोत्तर रेलवे के चीफ इंजीनियर तुषार पांडे ने निरीक्षण यान से नेपालगंज रोड रेलवे स्टेशन एवं संबंधित रेलखंड का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रेलवे ट्रैक, स्टेशन परिसर, सिग्नलिंग व्यवस्था तथा निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण में रेलवे के निर्माण, इंजीनियरिंग और तकनीकी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण की जानकारी मिलते ही ग्राम सभा सहजना के ग्रामीण बड़ी संख्या में स्टेशन परिसर पहुंच गए। ग्रामीणों ने बताया कि रेलवे लाइन के निर्माण के बाद वर्षों से उपयोग में आने वाला उनका आवागमन मार्ग बाधित हो गया है। इससे किसानों, विद्यार्थियों और आम लोगों को रुपईडीहा पहुंचने में काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने सुरक्षित स्थायी मार्ग उपलब्ध कराने की मांग करते हुए जल्द समाधान की अपेक्षा जताई। उल्लेखनीय है कि बहराइचझ्ररुपईडीहा रेलखंड पर पिछले कई महीनों में विभिन्न स्तरों पर निरीक्षण किए जा चुके हैं। रेलवे संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) द्वारा सुरक्षा परीक्षण, रेल विद्युतीकरण का निरीक्षण, स्पीड ट्रायल सहित अधिकांश तकनीकी प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं। इसके बावजूद इस बहुप्रतीक्षित रेलखंड पर अभी तक नियमित यात्री ट्रेनों का संचालन शुरू नहीं हो पाया है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि बार-बार निरीक्षण होने के बावजूद ट्रेन संचालन शुरू न होने से लोगों में निराशा बढ़ रही है। लोगों को उम्मीद है कि रेलवे शीघ्र ही सभी औपचारिकताएं पूरी कर इस रेलखंड पर यात्री ट्रेनों का संचालन प्रारंभ करेगा, जिससे सीमावर्ती क्षेत्र के लाखों लोगों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

सेवानिवृत्ति शिक्षक की आकस्मिक निधन, शिक्षा विभाग ने जताया शोक

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। पूर्व एनपीआरसी/वरिष्ठ सेवानिवृत्त शिक्षक सालिकराम वर्मा (72) वर्ष का हृदयगति रुक जाने से बुधवार की सुबह मौत हो गई है। जिसकी सूचना मिलते ही उनके आवास पर पहुंच कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी मिली जानकारी के मुताबिक पैतृक गांव रगपुरवा (बाबागंज) में अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने से प्राथमिक उपचार के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन वहां चिकित्सक के परामर्श से बेहतर इलाज के लिए लखनऊ मे भर्ती कराया गया था, जहाँ इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बताते चले श्री वर्मा की बेसिक शिक्षा परिषद मे पहली पोस्टिंग प्राथमिक विद्यालय चौधरिया ब्लॉक मिहींपुरवा मे हुई थी जहाँ से ब्लॉक नवाबगंज के सुकईगांव, इमामनगर गड़रहवा आदि स्कूलों मे अपनी सेवाएं दी और सन 2016 मे विभाग से सेवानिवृत्ति हो गए। वे न सिर्फ एक शिक्षक थे बल्कि समाज सेवी, एवं सामाजिक कार्यक्रम में वह बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते थे। उनके अचानक चले जाने से क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। इस दुखद खबर के सुनते ही आपपास के दर्जनों गांव के लोग दौड़ पड़े। कुशल शिक्षक एवं मृदुभाषी तथा परोपकारी होने के कारण क्षेत्र मे काफी चर्चित थे। सपा नेता राजेश चौधरी नें कहा कि जनहितैषी और मिलनसार व्यक्तित्व के चले जाने से स्थानीय समुदाय की अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई होना कठिन है। श्रद्धांजलि देने वाले लोगों मे मुख्य रूप से ब्लॉक प्रमुख जय प्रकाश सिंह, अपनादल एस नेता सौरभ वर्मा, हरिह वर्मा, दिलीप वर्मा, हरीश वर्मा, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ नवाबगंज ब्लॉक अध्यक्ष अरविन्द वर्मा, विनोद गिरि, जीतेन्द्र शर्मा, वृजभूषण वर्मा, अजीत सिंह, रमेश सोनकर सहित परिवार, रिश्तेदार आदि मौजूद थे।

साइबर अपराध एवं डिजिटल अरेस्ट से बचाव के लिए किया गया जागरूक

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। बुधवार, 05 अगस्त 2026 को ग्राम मत्रेपुर दाखिला रानीगंज में पुलिस द्वारा साइबर अपराध एवं साइबर फ्रॉड के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान ग्रामवासियों को बढ़ते साइबर अपराधों, विशेषकर डिजिटल अरेस्ट ((Digital Arrest) जैसे नए साइबर ठगी के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जागरूकता कार्यक्रम में बताया गया कि साइबर अपराधी सोशल मीडिया ऐप, मोबाइल फोन, वीडियो कॉल एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का उपयोग कर स्वयं को पुलिस, सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग अथवा अन्य सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बताकर लोगों को डराते-धमकाते हैं। इसके बाद उन्हें कथित अपराध में फंसाने, जेल भेजने या कानूनी कार्रवाई का भय दिखाकर पैसे की मांग की जाती है। साथ ही पीड़ित को किसी अन्य व्यक्ति को घटना की जानकारी न देने की चेतावनी देकर मानसिक दबाव बनाया जाता है। ग्रामवासियों को बताया गया कि यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार के डिजिटल अरेस्ट या किसी अन्य साइबर अपराध का शिकार होता है, तो वह बिना देर किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करे तथा भारत सरकार के साइबर अपराध पोर्टलcybercrime .gov.inपर शिकायत दर्ज कराए। इसके अतिरिक्त अपने नजदीकी थाने में भी तत्काल सूचना देकर कानूनी सहायता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान लोगों से अपील की गई कि किसी भी अनजान कॉल, वीडियो कॉल, लिंक या पैसे की मांग पर विश्वास न करें, घबराएं नहीं और बिना सत्यापन के किसी भी व्यक्ति को धनराशि हस्तांतरित न करें। जागरूकता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है।

बोल बम' के जयघोष के साथ 150 से अधिक कांवरियों का जत्था बाबा बैजनाथ धाम के लिए रवाना

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। श्रद्धा, उत्साह और भक्ति से सराबोर हुआ रुपईडीहा, शिवभक्तों का स्थानीय लोगों ने किया भव्य स्वागत व विदाई सावन माह में भगवान शिव के प्रति अटूट आस्था का अद्भुत नजारा बुधवार को नगर पंचायत रुपईडीहा में देखने को मिला, जब 150 से अधिक कांवरियों का विशाल जत्था बाबा बैजनाथ धाम के लिए रवाना हुआ। पूरे क्षेत्र में ₹बोल बम₹, ₹हर-हर महादेव₹ और ₹जय भोलेनाथ₹ के जयघोष से माहौल शिवमय हो गया। यह कांवर यात्रा धर्मेंद्र कौशल एवं रिंकू अवस्थी के संरक्षण में आयोजित की गई। यात्रा में अनुज कौशल, गुड्डू सोनी, शिवम गुप्ता, रेखा, संगीता जायसवाल, ममता जायसवाल सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष शिवभक्त शामिल हुए। रवानगी से पूर्व श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का पूजन-अर्चन कर यात्रा के सफल एवं मंगलमय होने की प्रार्थना की। इसके बाद कांवरियों का जत्था पूरे उत्साह और भक्ति भाव के साथ बाबा बैजनाथ धाम के लिए रवाना हुआ। स्थानीय लोगों ने कांवरियों का पुष्पवर्षा एवं शुभकामनाओं के साथ स्वागत और विदाई की। श्रद्धालुओं ने बताया कि बाबा बैजनाथ धाम पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना करेंगे। कांवर यात्रा के दौरान पूरे क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और भक्ति का वातावरण बना रहा।

संयुक्त चेकिंग अभियान में पांच वाहनों का चालान, दो वाहन सीज

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच। नेपाल सीमा क्षेत्र में अवैध यात्री परिवहन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से क्षेत्राधिकारी परिवहन, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) बहराइच तथा सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (एआरएम) रुपईडीहा द्वारा संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान नेपाल बॉर्डर से रुपईडीहा होते हुए चारबाग, लखनऊ के लिए यात्रियों का परिवहन कर रहे छोटे व्यावसायिक वाहनों की गहन जांच की गई। जांच में परिवहन नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर पांच वाहनों का चालान किया गया, जबकि गंभीर अनियमितताओं के चलते दो वाहनों को सीज कर दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि बिना वैध परमिट, आवश्यक दस्तावेज अथवा निर्धारित नियमों का उल्लंघन कर यात्रियों का परिवहन करने वाले वाहनों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही वाहन चालकों से अपील की गई कि वे सभी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण रखें तथा परिवहन नियमों का पालन करते हुए ही यात्रियों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करें।

विकास खण्ड परिसर महसी में आयोजित हुआ परीक्षण शिविर

मोटराइज्ड ट्राई साईकिल हेतु चिन्हित किये गये 75 दिव्यांग

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी डॉ. अजीत कुमार ने बताया कि बहराइच जनपद के पात्र दिव्यांगजनों को एलिम्को, कानपुर द्वारा निःशुल्क मोटराइज्ड ट्राइसाईकिल उपलब्ध कराए जाने हेतु 3 से 8 अगस्त 2026 तक विकास खण्ड मुख्यालयों पर आयोजित किये जा रहे परीक्षण शिविर अन्तर्गत विकास खण्ड परिसर महसी में आयोजित शिविर के दौरान उपक्रम एलिम्को, कानपुर की विशेषज्ञ टीम द्वारा 75 दिव्यांगजनों का परीक्षण करके पंजीकरण किया गया। डॉ. कुमार ने बताया कि 06 अगस्त 2026 को विकास खण्ड परिसर हुजूरपुर में परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। समस्त दिव्यांगजनों एवं उनके हितार्थ कार्यरत समस्त व्यक्तियों एवं संस्थाओं को सूचित किया जाता है कि इन शिविरों में अपने समस्त अभिलेखों जैसे कि आधार कार्ड, 80 प्रतिशत दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं गरीबी रेखा के आय प्रमाण पत्र आदि के साथ परीक्षण शिविर में प्रतिभाग कर आयोजन का लाभ उठायें।

गमगीन माहौल में निकला चेहलुम का जुलूस, कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्वक संपन्न

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। थाना कैसरगंज क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मीरपुर, चिलवा एवं आसपास के गांवों में हजरत इमाम हुसैन और उनके जांनिसार साथियों की याद में चेहलुम का जुलूस अकीदत और एहतराम के साथ निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। पूरा माहौल गमगीन रहा और लोगों ने मातम व दुआओं के साथ शहीद-ए-कर्बला को खिराज-ए-अकीदत पेश किया। जुलूस अपने निर्धारित मार्गों से गुजरते हुए पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार आगे बढ़ा। जगह-जगह लोगों ने अमन, भाईचारे और मुल्क की तरक्की के लिए दुआएं कीं। अंत में ग्राम मीरपुर में ताज़िया को पूरे धार्मिक रीति-रिवाज और शांतिपूर्ण वातावरण में सुपुर्द-ए-खाक (दफन) किया गया। पूरे आयोजन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार पांडेय के नेतृत्व में पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहा। पुलिसकर्मी जुलूस के साथ लगातार निगरानी करते रहे और सुरक्षा व्यवस्था पर पैनी नजर बनाए रखी। प्रशासन की सतर्कता और स्थानीय लोगों के सहयोग से चेहलुम का जुलूस बिना किसी अप्रिय घटना के शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। पुलिस प्रशासन ने आयोजन समिति और क्षेत्रवासियों द्वारा बनाए गए आपसी सौहार्द, अनुशासन और सहयोग की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी तरह शांति एवं भाईचारे की परंपरा बनाए रखने की अपील की।

त्रिलोकी गौढ़ी में वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में नर तेंदुआ हुआ कैद

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। जंगल के आसपास बसे गांवों में इन दिनों वन्य जीवों की चहल कदमी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है, वहीं वन विभाग मानव वन्य जीव संघर्ष रोकने के लिए ग्रामीणों की शिकायत और मांग के तहत लगातार वन्यजीवों की सक्रियता वाले क्षेत्रों में पिंजरा लगाकर वन्यजीवों को कैद कर उन्हें आबादी से दूर घने जंगलों में छोड़कर लोगों को सुरक्षित माहौल देने का प्रयास कर रहा है। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के रेंज सुजौली के अंतर्गत ग्राम त्रिलोकी गौढ़ी में कई दिनों से तेंदुए की आवा जाही हो रही थी जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल था इसकी शिकायत ग्रामीणों ने वन विभाग से की थी। ग्रामीणों की शिकायत के बाद पिछले दिनों वन विभाग ने पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़ने की कार्यवाही शुरू की थी। मंगलवार देर रात शिकार की लालच में तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। चिकित्सकों के परिक्षण में तेंदुआ पूरी तरह स्वस्थ निकला। प्रभागीय वनाधिकारी अपूर्व दीक्षित ने बताया कि पकड़ा गया तेंदुआ नर है उसकी उम्र 3 से 4 वर्ष है और वह पूरी तरह से स्वस्थ है। उन्होंने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश के बाद आगे की कार्यवाही करते हुए तेंदुए को प्राकृतिक वास में छोड़ा जाएगा।

739 वाहनों का हुआ चालान, नौ लाख रुपए का हुआ जुर्माना

अमन लेखनी समाचार / मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के तथा यातायात नियमों का पालन कराने के लिए पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में यातायात पुलिस व नागरिक पुलिस लगातार चेकिंग अभियान चलाकर कार्यवाही कर रही है। पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही में 739 वाहनों का चालान किया गया तथा दो वाहनों को सीज किया गया जिसमें नौ लाख से अधिक रुपए की धनराशि का आनलाइन चालान किया गया। यातायात प्रभारी राम प्रकाश ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने तथा यातायात नियमों का पालन करने के लिए लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की जा रही है।

सरकार के खोखले वादे आज भी कीचड़ में जीवन यापन कर रहे ग्रामीण

नाली व सड़क न होने से परेशान ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर , केंद्र एवं प्रदेश में सरकार भले ही अपनी विकास दर कागजों पर उत्कृष्ट बनाए हो परंतु धरातल पर वर्तमान सरकार की विकास गति शून्य स्थिति पर दिखाई देती है देश प्रदेश तथा जनपद के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां आज भी लोग दलदल तथा कीचड़ में जीवन यापन कर रहे हैं ताजा मामला जनपद के विजयीपुर विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रामपुर का सामने आया जहां ग्राम पंचायत के मजरे वलीपुर रमसगरा में नाली तथा खरंजा सड़क इत्यादि की कोई भी व्यवस्था नहीं है ग्रामीणों ने जिसकी शिकायत पूर्व काल से ग्राम प्रधान से लेकर उच्च स्तर के अधिकारियों से भी की परंतु किसी ने भी इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया लंबे समय से जल निकासी तथा सड़क समस्या से परेशान ग्रामीणों ने कीचड़ तथा जल भराव में जीवन यापन करते हुए आहत होकर प्रदर्शन किया ग्रामीणों ने बताया कि कई दशकों से यह समस्या चली आ रही है जहां बरसात के मौसम पर बच्चों समेत बुजुर्ग तथा महिलाओं को आवागमन में कठिनाइयां होती है समाजसेवी जनप्रतिनिधियों का इस पर लाख शिकायतें करने के बाद भी ध्यान नहीं गया वहीं ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए गांव में सड़क तथा नाली निर्माण कराया जाने की मांग की ग्रामीणों ने बताया कि यदि गांव में नाली खरंजा तथा सड़क निर्माण नहीं हुआ तो सभी ग्रामीण मिलकर आंदोलन करेंगे देखना यह है कि इस समस्या से ग्रामीणों को निजात आखिर कब तक मिलेगा ।

संक्षेप

महिला ने दो पुलिसकर्मियों पर जबरन रोकने का आरोप लगाया

ई-रिक्शा में सवार थी महिला, पुलिस ने आरोपों को निराधार बताया

बागपत ,बिनौली थाना क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि बरनावा से बिनौली आते समय दो पुलिसकर्मियों ने उसे ई-रिक्शा में जबरन रोका और परेशान किया। महिला ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। महिला ने बताया कि वह बरनावा से ई-रिक्शा में सवार होकर बाजार में खरीदारी के लिए जा रही थी। ई-रिक्शा में चालक के अलावा वह अकेली थी। तभी पीछे से बाइक पर आए दो पुलिसकर्मियों ने ई-रिक्शा को रोक लिया। महिला का कहना है कि पुलिसकर्मियों ने बिना किसी वजह के उसे परेशान किया। तथ्यों के आधार पर होगी कार्रवाईमहिला ने बताया कि उसकी शादी मुजफ्फरनगर के शोरम गांव में हुई है और वह बरनावा की रहने वाली है। उसने पुलिस की कार्यशैली पर असंतोष व्यक्त किया। महिला ने इस घटना का एक वीडियो भी बनाया है, जिसे वह अधिकारियों के सामने पेश करेगी। महिला ने आरोप लगाया कि जब उसने पुलिसकर्मियों का वीडियो बनाना शुरू किया, तो वे चेकिंग की बात कहकर अपनी कार्रवाई से पल्ला झाड़ने लगे। महिला ने दोनों पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में बिनौली थाना प्रभारी राकेश कुमार ने महिला द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी नियमित चेकिंग कर रहे थे और महिला ने जबरन उनका वीडियो बनाया। अधिकारियों ने मामले की जांच कराने और तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई करने की बात कही है।

कांवड़ यात्रा के लिए दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे बंद

बैरियर और टोल प्लाजा पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात, अधिकारियों ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

बागपत,कांवड़ यात्रा के मद्देनजर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे (कॉरिडोर) पर कांवड़ यात्रियों का आवागमन प्रतिबंधित कर दिया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पूरे मार्ग पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है और अधिकारियों द्वारा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया जा रहा है। श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दौरान भीड़ और सुरक्षा को देखते हुए पुलिस ने कांवड़ियों के लिए केवल निर्धारित कांवड़ मार्ग का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर कांवड़ लेकर चलना पूरी तरह प्रतिबंधित है। इस मार्ग पर कांवड़ यात्रियों को प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। कॉरिडोर के सभी बैरियर और टोल प्लाजा पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं को निर्धारित मार्ग की जानकारी दे रहे हैं और उन्हें वैकल्पिक कांवड़ मार्ग की ओर भेज रहे हैं। मार्ग पर जगह-जगह संकेतक बोर्ड और बैरिकेडिंग भी की गई है। सोमवार देर रात एडिशनल एसपी प्रवीण सिंह चौहान ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को यातायात व्यवस्था पर लगातार नजर रखने और किसी भी स्थिति से तत्काल निपटने के निर्देश दिए।

न्योरी जलालपुर के ठोकिया समेत मुठभेड़ में गिरफ्तार हुए 5 अपराधी

थाना चांदपुर एवं जहानाबाद के संयुक्त प्रयास से मिली सफलता

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर ,जनपद को कड़ी कसौटी में कस चुके तेज तर्रार पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के कुशल निर्देशन पर सभी क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण तथा अपराधियों पर नकेल कसने का काम प्रशासन कर रहा है उच्च अधिकारी के दिशा निर्देश पर चलते हुए जनपद के चांदपुर थाना एवं जहानाबाद थाना टीम ने संयुक्त रूप से मिलकर क्षेत्र में हो रही चोरी नकब जनी के गैंग का घेराव किया वही घेराबंदी में फंसे अभियुक्तो ने गोली चलाई इसके प्रति उत्तर में पुलिस प्रशासन ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया जहां दो अभियुक्तों के पैर में गोली लगी तथा वह धराशाई हो गए प्रशासन ने दोनों अभिव्यक्तियों को गिरफ्तार किया तथा जानकारी लेने पर अभियुक्तों ने क्रमशः अपना नाम शशांक उर्फ रतन निवासी श्याम खेड़ा थाना कल्यानपुर तथा छोटेलाल उर्फ छोटू कोरी निवासी जरारा थाना बकेवर के रूप में बताया अपराधियों कि निशान देही पर जहानाबाद मंदिर में हुई घंटा तथा दान पेटी चोरी स्टाटर केबल समेत अवैध असलहे कारतूस बरामद समेत लाखों का सामान बरामद हुआ प्रशासन ने दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार करते अन्य की खोजबीन प्रारंभ की वहीं अन्य अपराधी शैलेंद्र उर्फ दीपू ठोकिया पुत्र जवाहर पाल निवासी न्योरी जलालपुर थाना जहानाबाद प्रियांशू कोरी उर्फ बजरंगी पुत्र रामराज निवासी बहरौली थाना कोतवाली बिंदकी लवकुश पुत्र राजाराम कोरी निवासी मवइया थाना कल्यानपुर को भी प्रशासन ने गिरफ्तार करते हुए कार्यवाही के पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने सराहनीय प्रयास करने वाली दोनों टीमों को संयुक्त रूप से 25000 रुपए का इनाम घोषित किया।

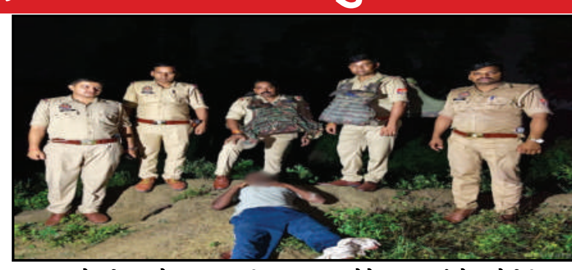

खंड शिक्षा अधिकारी ने किया पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

प्रशिक्षण अंतर्गत शिक्षकों को मिलेगी नवीन पाठ्यक्रम की जानकारियां

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड शिक्षा क्षेत्र में शिक्षा को निरंतर मजबूती प्रदान कर रहे खंड शिक्षा अधिकारी प्रवीण शुक्ला द्वारा ब्लाक संसाधन केंद्र कार्यालय सभागार अंतर्गत पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया खंड शिक्षा अधिकारी ने कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा में माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्वलन के साथ किया कार्यक्रम में मौजूद प्रशिक्षक संदर्भ दाता शैलेंद्र सचान सौरभ कुमार कृपाराम सुशील कुमार राजेंद्र प्रसाद एल एल एफ से दीक्षा सिंह एवं सर्वेश कुमार आदि प्रशिक्षकों ने समूचे शिक्षा क्षेत्र के कस्बे एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के साथ सरकार द्वारा संचालित एनसीईआरटी पाठ्यक्रम पर आधारित नवीन महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा तथा नवीनतम परिवेश बनाने हेतु शिक्षा को एक नया आयाम देने हेतु सरकार द्वारा संचालित नवीन जानकारियों से शिक्षकों को जागरूक किया जा रहा है जहां शिक्षकों को उनके शैक्षिक कार्यों के साथ-साथ कर्तव्यों के अनुपालन करने की भी जानकारियां दी जा रही हैं इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण में प्रथम दिवस कल वीणा पाठ पुस्तक एवं समावेशित नवीन सामग्री के महत्व तथा औचित्य की प्रस्तुति विषय वस्तु से संबंधित अभ्यास तथा उनकी विशेषताएं ठीक इसी प्रकार विकसित होने वाली भाषिक दक्षताओं पर चर्चा एवं प्रश्नोत्तरी किए गए वही प्रशिक्षण अंतर्गत गणित मेला पाठ पुस्तक में किए गए नवीन परिवर्तनों की प्रस्तुति के बारे में भी गहन वार्ता की गई इस मौके पर सभी विद्यालयों की शिक्षक तथा शिक्षिकाएं प्रशिक्षण पर मौजूद रहे।

एक प्रतियोगी छात्रा ने किया सुसाइड

यूपी पुलिस में फेल होने से डिप्रेशन में थी, कमरे में मिला शव; पुलिस ने शुरू की जांच

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाली एक युवती ने सुसाइड कर लिया। युवती किराए पर रुम पर लेकर पढ़ाई कर रही थी। दोपहर करीब 2:30 बजे मकान मालिक ने कमरे में पंखे से युवती का शव लटका मिला।इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी।पुलिस के मुताबिक, हाल ही में यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा का रिजल्ट आया था, जिसमें युवती सफल नहीं हो सकी थी। इसके बाद से वह काफी परेशान चल रही थी। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने साक्ष्य जुटाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कमरे की जांच की गई और परिजनों को भी घटना की सूचना दे दी गई। मामला लालकुर्ती थाना क्षेत्र का है।फलावदा थाना क्षेत्र के गगसोना गांव निवासी रजनी पुत्री सुशील पिछले करीब एक साल से मेरठ में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। वह पीएल शर्मा रोड स्थित देवेंद्र छाबड़ा के मकान में किराए के कमरे में रहती थी। सुबह काफी देर तक रजनी कमरे से बाहर नहीं निकली तो मकान मालिक ने उसे कई बार फोन किया, लेकिन उसने कॉल रिसीव नहीं की। इसके बाद दोपहर करीब 2:30 बजे वह कमरे पर पहुंचे। दरवाजा खुला था। अंदर जाकर देखा तो रजनी का शव मिला। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। फॉरेंसिक टीम ने पहुंचकर की जांचसूचना मिलते ही लालकुर्ती थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी परिजनों को भी दे दी गई।लताप्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि रजनी लंबे समय से यूपी पुलिस भर्ती परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी।

रजनी
मृतक

झगड़े के पश्चात अधेड़ की हुई मौत परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर , जनपद के किशनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव चतुरपुर में एक अधेड़ की झगड़े के पश्चात मौत हो गई मिली जानकारी के अनुसार कल दो बाइकों की थाना क्षेत्र के चटिहा विद्यालय के नजदीक एक पुल के पास भिड़ंत हो गई प्रत्यक्ष दर्शियों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार एक मोटरसाइकिल में सवार तीन व्यक्ति जा रहे थे ठीक इसी समय चंदापुर गांव की तरफ से भी एक बाइक में सवार तीन लोग आ रहे थे बरियाछ पुल के समीप दोनों बाइकों में भीषण भिड़ंत हो गई घटना के पश्चात दोनों पक्षों ने अपनी अपनी मोटरसाइकिल सही कराने की बात कह कर अपने-अपने रास्ते चले गए वहीं कुछ समय पश्चात एक बाइक में सवार अधेड़ की मौत हो गई जहां परिजनों ने आरोप लगाते हुए बताया कि गांव संगोलीपुर मडैयन की तरफ से चार मोटरसाइकिलों में सवार लगभग एक दर्जन लोग ग्रामीण रामबरन के घर पहुंचे जहां गाली गलौज तथा जान से मार देने की धमकी भी दी प्रत्यक्ष दर्शियों ने रामबरन के बेटे विक्रम फौजी तथा राजा को सूचित किया जो गांव में नहीं थे वहीं कुछ समय पश्चात एक महिला का इलाज कराने के पश्चात वह घर लौटे तो देखा कि पिता रामबरन चारपाई के नीचे मृत अवस्था दें पड़े हुए हैं वहीं परिजनों ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने गला दबाकर अधेड़ की हत्या कर दी घटना की जानकारी थाना किशनपुर को दी गई जहां सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी मनीष सिंह ने घटनास्थल का जायजा लेते हुए जांच की वही जानकारी लेने पर थाना प्रभारी ने बताया कि बाइक भिड़ंत के बाद कुछ लोग रामबरन के घर पहुंचे थे गाली गलौज भी किया है जहांपहुंचे हुए लोगों ने बुजुर्गों को धक्का दे दिया है और वह जमीन में गिर गए जिससे उनकी मौत हो गई है फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है परिजनों द्वारा लिखित तहरीर प्राप्त होने के पश्चात तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के पश्चात अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

मृतक फाइल फोटो

पेपर मिल पर प्रदूषण फैलाने का आरोप

ग्रामीणों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन, बोले- बीमारियां बढ़ रहीं; जांच कर कार्रवाई करें

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , बागपत रोड स्थित गांव पांचली खुर्द और आसपास के ग्रामीणों ने सोमवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर पेपर मिल से फैल रहे कथित प्रदूषण की शिकायत की। ग्रामीणों का आरोप है कि मिल से निकलने वाले धुएं, दूषित पानी और प्लास्टिक समेत अन्य कचरा जलाने से क्षेत्र का वातावरण प्रदूषित हो रहा है। इसका असर लोगों की सेहत और खेती पर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने मांग की कि पेपर मिल की निष्पक्ष जांच कराई जाए। अगर पर्यावरणीय नियमों का उल्लंघन मिलता है तो मिल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कार्रवाई नहीं होने पर ग्रामीणों ने शांतिपूर्ण आंदोलन की चेतावनी भी दी।

ग्रामीण बोले– बीमारियों के मामलों की भी हो जांच

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में अस्थमा, एलर्जी और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं। उन्होंने मांग की कि इन मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम बनाकर पेपर मिल की जांच कराई जाए। ग्रामीणों ने कहा कि यदि जांच में पर्यावरणीय मानकों के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो मिल के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। जरूरत पड़ने पर उसका संचालन भी बंद कराया जाए।

भारी वाहनों से लगता है जाम

ग्रामीणों ने ज्ञापन में ध्वनि प्रदूषण और यातायात की समस्या भी उठाई। उनका कहना है कि पेपर मिल में आने-जाने वाले भारी वाहनों की वजह से बागपत रोड पर अक्सर जाम लग जाता है। इससे सड़क हादसों का खतरा भी बना रहता है। उन्होंने मांग की कि ट्रकों के लिए अलग पार्किंग की व्यवस्था की जाए और यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए।

कांवड़ खंडित होने पर कांवड़ियों ने लगाया जाम

हरिद्वार से गंगाजल लेकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से लौट रहे थे, एम्बुलेंस से हुई टक्कर

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद ,मुरादनगर में सुबह करीब 6 बजे एंबुलेंस की टक्कर से कांवड़ खंडित होने पर कांवड़ियों ने जमकर हंगामा कर दिया। नाराज कांवड़िए सड़क पर बैठ गए, जिससे दिल्ली-मेरठ रोड पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कांवड़ियों को समझाकर मामला शांत कराने का प्रयास किया। नोएडा के रहने वाले कांवड़िए हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे थे। सुबह करीब 6:10 बजे मुरादनगर के प्रिया सिनेमा के सामने उनकी ट्रैक्टर-ट्रॉली से एक एंबुलेंस टकरा गई। हादसे में कांवड़ खंडित हो गई, जिसके बाद कांवड़ियों ने विरोध शुरू कर दिया। कांवड़ियों का आरोप है कि हादसे में उनकी ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी करीब 5 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। घटना में एंबुलेंस और ट्रैक्टर-ट्रॉली दोनों क्षतिग्रस्त हो गए। हंगामे की सूचना पर एसीपी सुनील कुमार और मुरादनगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कांवड़ियों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया और यातायात सामान्य कराने की कार्रवाई शुरू की। कांवड़ियों ने बताया कि वे रात में मुरादनगर के शिविर में रुके थे और सुबह यात्रा दोबारा शुरू की थी। इसी दौरान हादसा हो गया और उनकी कांवड़ खंडित हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांवड़ियों के गुट भिड़े, बीच-बचाव करने पहुंचे सिपाहियों से मारपीट

देर रात करीब तीन बजे हुआ विवाद, मेडिकल के बाद कांवड़ियों को रवाना किया

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , देर रात कांवड़ यात्रा के दौरान दो कांवड़िया गुटों के बीच मामूली बात पर शुरू हुआ विवाद हिंसक हो गया। झगड़ा शांत कराने पहुंचे यूपी पुलिस के सिपाहियों से भी कांवड़ियों ने हाथापाई कर दी। हमले में एक कांस्टेबल के सिर में चोट आई। पुलिस ने मामूली चोटिल कांवड़ियों को उपचार के लिए दौराला सीएचसी भेजा और मौके से एक स्कूटी व बाइक समेत कुछ वाहन कब्जे में ले लिए। घटना रात करीब तीन बजे दौराला क्षेत्र में धरम होटल के सामने हुई। दिल्ली की देवकी कॉलोनी निवासी विकास मिश्रा अपने साथियों के साथ हरिद्वार से कांवड़ लेकर लौट रहे थे। इसी दौरान गौतमबुद्ध नगर के थाना बिसरख क्षेत्र के हैबतपुर निवासी सोनू यादव और गुड्डू की बाइक विकास मिश्रा के जत्थे से टकरा गई। टक्कर के बाद दोनों पक्षों में पहले कहासुनी हुई और देखते ही देखते मामला मारपीट में बदल गया।

सिपाही पर किया डंडे से हमला

हंगामा देखकर कुछ दूरी पर ड्यूटी कर रहे यूपी पुलिस के सिपाही दिनेश और उनके साथी मौके पर पहुंचे। सिपाही दिनेश ने दोनों पक्षों को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन एक गुट पुलिसकर्मियों से ही उलझ गया। आरोप है कि कांवड़ियों ने सिपाहियों के साथ हाथापाई की और डंडों से हमला कर दिया। हमले में कांस्टेबल दिनेश के सिर में चोट लग गई।

चोटिल कांवड़ियों को दिलाया उपचार

सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा और हालात पर काबू पाया। पुलिस ने सोनू, आयुष, सागर, विकास और गुड्डू समेत घायलों को दौराला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। घायल कांस्टेबल का भी वहीं उपचार कराया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि बाइक सवार कांवड़िया हरिद्वार जल लेने जा रहे थे।

हाईवे के होटल पर छूट गया था बैग

रास्ते में हाईवे स्थित एक ढाबे पर खाना खाने के दौरान उनका बैग छूट गया था। बैग लेने के लिए वे नंगली गेट कट से कांवड़ियों के लिए आरक्षित मार्ग पर बाइक लेकर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे कांवड़ियों के जत्थे से उनकी बाइक टकरा गई।चेतावनी देकर किये गये दोनों गुट रवाना इंस्पेक्टर दौराला सुमन सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया और भविष्य में ऐसी हरकत दोबारा न करने की चेतावनी देकर रवाना कर दिया।

ग्रेटर नोएडा में डॉग ने महिला को काटा

पार्क में कुत्तों को लड़ते देख छुड़ाने गई थी, पुलिस में शिकायत करने से किया इंकार

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर,ग्रेटर नोएडा के सेक्टर डेल्टा वन के बी ब्लॉक में शाम दो पालतू कुत्तों के बीच हुई लड़ाई में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला कुत्तों को छुड़ाने का प्रयास कर रही थी। तभी पिटबुल ने उसे काट लिया। जिसके बाद महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। लोगों के मुताबिक-बी ब्लॉक में एक व्यक्ति ने पिटबुल कुत्ता पाल रखा है। पार्क में कुत्तों को टहलाते समय वह दूसरे कुत्ते से भिड़ गया। पड़ोस में रहने वाली गीता ने कुत्तों को अलग करने की कोशिश की, तभी पिटबुल ने उनके हाथ पर काट लिया, जिससे वह घायल हो गई। हालांकि घटना के बाद दोनों पक्षों ने आपसी समझौता कर लिया है। वे एक-दूसरे को जानते हैं और दोनों ही डॉग लवर हैं। पीड़ित महिला ने पुलिस कार्रवाई से इनकार कर दिया है और इस संबंध में पुलिस को कोई जानकारी नहीं दी गई है।

जर्जर इमारत जमीन में धंसने लगी

पहली मंजिल पर रह रहे लोग, प्राधिकरण ने सर्वे के बाद ध्वस्तीकरण की तैयारी शुरू की

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , मामूरा गांव में एक जर्जर इमारत के जमीन में धंसने की सूचना मिलने के बाद प्राधिकरण ने कार्रवाई शुरू कर दी है। विशेष कार्याधिकारी इंदु प्रकाश सिंह ने मौके का निरीक्षण किया। जांच में इमारत बेहद जर्जर मिली और उसका एक हिस्सा जमीन में धंसता हुआ पाया गया। भवन की पहली मंजिल पर अभी भी लोग रह रहे हैं, जिससे बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। निरीक्षण के बाद विशेष कार्याधिकारी ने वर्क सर्किल-5 के वरिष्ठ प्रबंधक को तत्काल भवन का तकनीकी सर्वे कराने और विस्तृत रिपोर्ट एसीपी को भेजने के निर्देश दिए हैं। रिपोर्ट के आधार पर एसीपी ध्वस्तीकरण के आदेश जारी करेंगे। इसके बाद नोएडा प्राधिकरण इमारत को गिराने की कार्रवाई करेगा।

20 से अधिक कमरे, पहली मंजिल पर रह रहे लोग

जानकारी के मुताबिक इमारत में 20 से अधिक कमरे बने हैं। इनमें पहली मंजिल पर कई लोग रह रहे हैं। ऐसे में ध्वस्तीकरण से पहले भवन में रहने वालों को नोटिस जारी कर सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए कहा जाएगा।

ड्रोन करेगा नाला सफाई की निगरानी

जीपीएस फोटो के बिना ठेकेदारों को नहीं मिलेगा भुगतान, 15 जुलाई डेडलाइन थी

अमन लेखनी समाचार

नोएडा,बारिश के दौरान जलभराव की लगातार शिकायतें मिलने और तय समय सीमा के बाद भी नालों की सफाई पूरी नहीं होने पर प्राधिकरण ने सख्त रुख अपनाया है। अब शहर के सभी बड़े नालों की सफाई की निगरानी ड्रोन से कराई जाएगी। सफाई कार्य का तकनीकी रिकॉर्ड तैयार होने के बाद ही ठेकेदारों को भुगतान मिलेगा। इसके लिए सभी वर्क सर्किलों को नए दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्राधिकरण ने नाला सफाई का काम 15 जुलाई तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया था, लेकिन कई स्थानों पर काम अधूरा मिलने और बारिश के दौरान जलभराव की शिकायतें सामने आने के बाद व्यवस्था में बदलाव किया गया है। प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश ने कहा- नाला सफाई कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं है। इसे देखते हुए निगरानी व्यवस्था को और सख्त किया गया है।

सफाई शुरू होने से पहले होगा ड्रोन सर्वे

नए निर्देशों के तहत किसी भी नाले की सफाई शुरू करने से पहले उसका ड्रोन सर्वे कराया जाएगा। इससे नाले की वास्तविक स्थिति का रिकॉर्ड तैयार होगा। इसके बाद सफाई कार्य के दौरान भी निगरानी की जाएगी और काम पूरा होने पर दोबारा ड्रोन से सत्यापन कराया जाएगा।

कामतानाथ धाम के लिए रवाना हुए श्रद्धालु

ढोल-नगाड़ों और जयघोष के बीच किया गया रवाना

अमन लेखनी समाचार/ हेमन्त यादव

गरौठा। ग्राम पंचायत वीरपुरा में बुधवार को धर्म और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। धर्मनगरी चित्रकूटधाम में भगवान श्री कामतानाथ जी के दर्शन एवं पावन परिक्रमा के लिए रवाना हुए श्रद्धालुओं का पूरे उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ स्वागत एवं सम्मान किया गया। ग्राम प्रधान नरेंद्र कुमार त्रिपाठी ने श्रद्धालुओं को तिलक लगाकर, उपहार भेंट कर तथा मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए विधिवत रवाना किया। इस दौरान पूरा गांव भक्तिमय माहौल में सराबोर नजर आया। ढोल-नगाड़ों की गूंज, जय श्री राम और कामतानाथ महाराज के जयघोष से वातावरण गुंजायमान हो उठा। ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर उनका उत्साहवर्धन किया और सुखद एवं सुरक्षित यात्रा की कामना की।कार्यक्रम में निवर्तमान प्रधान जाहर सिंह पटेल,प्रधान प्रतिनिधि वरुणकांत त्रिपाठी, राजेंद्र मुखिया, बालमुकुंद पटेल, किशोरी लंबरदार, धर्मेश पटेल, ब्रजकिशोर पटेल, धर्मपाल पटेल, राजेश, रवि, जितेंद्र गौतम, गोस्वामी उदयभान, टेलर मास्टर, बब्लू खान, अमान यादव, प्यारे पटवा, पुष्पेंद्र पटेल, रंजीत पटवा, उस्मान, रामपाल, रसूल खान, गजेंद्र कुशवाहा, उत्तम पटवा, ईश्वर प्रसाद, हरदयाल अहिरवार, पुष्पेंद्र राठौर, अशोक पाल, सोम, मुकेश पांचाल, अरविंद कुशवाहा, राजू परिहार, सच्चिदानंद पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं धर्मप्रेमी मौजूद रहे। सभी ने श्रद्धालुओं को जयघोष और ढोल-बाजों के साथ रवाना करते हुए क्षेत्र में धार्मिक एकता और सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया।

दंत चिकित्सा जांच एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित

अमन लेखनी समाचार

पिपरी (सोनभद्र)। इनर व्हील क्लब ऑफ रेणुकूट द्वारा गुरुवार को इंडियन लिट्रेसी स्कूल में बच्चों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता एवं दंत चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दंत चिकित्सक डॉ. आकिफ ने बच्चों के दांतों की जांच कर उन्हें बेहतर मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। डॉ. आकिफ ने बच्चों को सही तरीके से ब्रश करने की विधि, ओरल हाइजीन का महत्व तथा दिन में दो बार दांत साफ करने की आदत अपनाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नियमित दंत जांच और स्वच्छता से दांतों की अधिकांश समस्याओं से बचा जा सकता है।इनर व्हील क्लब रेणुकूट की कोऑर्डिनेटर प्रमिला पोद्दार ने बच्चियों को बैड डच और गुड डच के बारे में विस्तार से समझाया तथा उन्हें इसके बारे में जाकरुक किया। इस अवसर पर इनर व्हील क्लब की ओर से सभी बच्चों को डेंटल किट एवं बिस्कुट वितरित किए गए।बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ शिविर में भाग लिया और दांतों की देखभाल से जुड़ी उपयोगी जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के अंत में क्लब की ओर से डॉ. आकिफ को उनके उत्कृष्ट मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों में प्रारंभिक अवस्था से ही स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति सकारात्मक आदतों का विकास करना है। कार्यक्रम परिवार कल्याण एवं स्वास्थ्य सेवा परियोजना के अंतर्गत आयोजित किया गया।इस अवसर पर प्रेसिडेंट ममता अग्रवाल सेक्रेटरी संध्या सिंह एवं प्रमिला पोद्दार वैशाली डे ममता बंसल डॉली बंसल अर्चना उपाध्याय गुरमीत कौर अंशु अग्रवाल आदि लोगों की उपस्थिति रहे

युवा शक्ति ही विकसित भारत की नींव : प्रो. विनोद सिंह

अमन लेखनी समाचार

शक्तिनगर। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर शक्ति नगर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम के तत्वाधान में दिनांक 4 अगस्त 2026 को युवा सक्रियता मीडिया और विकसित भारतՙ विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के प्रो० विनोद कुमार सिंह ने युवा सक्रियता को विकसित भारत की नींव बताया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में युवा सक्रियता को एक तेज मिलता है जब वह मीडिया विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ अपनी अभिव्यक्ति को वैश्विक मंच पर रखता है। प्रधानमंत्री जी द्वारा घोषित विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवा और मीडिया दोनों एक ऊर्जा स्त्रोत के समान है। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में काशी विद्यापीठ शक्तिनगर की वरिष्ठ पप्राध्यापिका डॉ० अपर्णा त्रिपाठी ने युवा संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के अंतः संबंधों पर अपने विचार व्यक्त किया और कहा कि आज के सूचना समाज में मीडिया क्रांति को सही दिशा में आगे बढ़ाने हेतु युवा स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है इसलिए युवाओं को देश के विकास में बढ़-चढ़कर अपना योगदान सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर के वरिष्ठ प्राध्यापक उदय नारायण पाण्डेय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में एक सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। उन्होंने स्वयंसेवकों से आवाहन किया कि वह देश के विकास में अपना योगदान दें ताकि देश को उन्नति की ओर ले जाया जा सके। युवा पत्रकार रोहित कुमार विश्वकर्मा ने युवा शक्ति के समक्ष वर्तमान सामाजिक व्यवस्था में उत्पन्न हो रही चुनौतियों पर सभी का ध्यान आकर्षित किया और चुनौतियों के समाधान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी इकाई प्रथम के डॉ० छोटे लाल प्रसाद ने किया। इस अवसर पर संस्था के अध्यापक डॉ० ओम प्रकाश यादव, डॉ० प्रभाकर लाल, अम्बरीश, रविकांत कुशवाहा, अमित कुमार सिंह, हिमांशु, राहुल सोनी, पंकज, साल्वी, अजय, अमृत लाल, नीरज, समीर, प्रभा, खुशबू, ममता, अंजलि, आदि का सहयोग सराहनी रहा।

खास समाचार

दुद्धी साइबर टीम की त्वरित कार्रवाई, साइबर ठगी/गलत ट्रांसफर हुए 4,950/- रुपये आवेदक के खाते में कराये वापस

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम एवं साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी के कुशल पर्यवेक्षण में थाना दुद्धी पुलिस एवं साइबर हेल्प डेस्क टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर पीड़ित के खाते में 4,950/- रुपये वापस कराये गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार आवेदक सोनू शर्मा पुत्र श्रीराम शर्मा निवासी ग्राम रजखड़, थाना दुद्धी, जनपद सोनभद्र के खाते से गलती से किसी अज्ञात व्यक्ति के खाते में वढक के माध्यम से 4,950/- रुपये ट्रांसफर हो गये थे।इस संबंध में आवेदक द्वारा ठउफढ पोर्टल पर शिकायत दर्ज करायी गयी थी। थाना दुद्धी साइबर हेल्प डेस्क टीम द्वारा शिकायत में आवश्यक साक्ष्य संकलित कर संबंधित बैंक से पत्राचार करते हुए त्वरित कार्रवाई की गयी तथा ट्रांसफर धनराशि को होल्ड कराया गया। इसके पश्चात संबंधित व्यक्ति से संपर्क कर होल्ड धनराशि 4,950/- रुपये को आवेदक सोनू शर्मा के खाते में सफलतापूर्वक वापस कराया गया।धनराशि वापस मिलने पर आवेदक द्वारा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी दुद्धी, प्रभारी निरीक्षक थाना दुद्धी एवं साइबर हेल्प डेस्क टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

ओबरा पुलिस द्वारा धारा 138 के 03 मुकदमों में वांछित/वारंटी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान तथा न्यायालय से निर्गत वारंटों की शत-प्रतिशत तामीली के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के कुशल पर्यवेक्षण में थाना ओबरा पुलिस टीम को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। आज दिनांक 04.08.2026 को थाना ओबरा के उ0नि0 रामसागर पटेल मय हमराह हे0का0 अशोक कुमार द्वारा क्षेत्र में देखभाल, रोकथाम अपराध एवं वांछित/वारंटी अभियुक्तों की तलाश के दौरान मुखबिर की सूचना पर शारदा मंदिर के पास से दबिश देकर धारा 138 ठक अ्३ के 03 अलग-अलग मुकदमों में वांछित/वारंटी अभियुक्त संजय कुमार विश्वास पुत्र स्व0 सुशील कुमार विश्वास निवासी गैस गोदाम रोड, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 49 वर्ष (प्रोपराइटर- मैसर्स अपर्णा एंटरप्राइजेज) को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय द्वारा निर्गत वारंटों के अनुपालन में आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु भेजा गया।

सोनभद्र में बिछेगा सड़कों का जाल, उद्योगों को मिलेगी रफ्तार

औद्योगिक लॉजिस्टिक योजना के तहत सोनभद्र में बनेंगी सबसे ज्यादा सड़कें।

योगी सरकार ने दी सड़क निर्माण के 22 प्रस्तावों को मंजूरी, जिनमें 6 सोनभद्र के।

202 करोड़ रुपये से होगा 127 किलोमीटर सड़कों का निर्माण।

जनप्रतिनिधियों व जिला प्रशासन के प्रयासों से मिली सफलता।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। प्रदेश की योगी सरकार औद्योगिक विकास की दिशा में युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है। प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा उद्योगों को लगाने के साथ-साथ सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर को भी तेजी से मजबूत कर रही है। इसी कड़ी में औद्योगिक लॉजिस्टिक योजना के तहत सरकार ने सड़क निर्माण के 22 प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की है। इन 22 प्रस्तावों में सबसे ज्यादा 6 प्रस्ताव सोनभद्र के हैं। इसके तहत लगभग 202 करोड़ रुपये खर्च कर छह सड़कों (कुल 127 किमी.) का निर्माण किया जाएगा। यह उपलब्धि जिला प्रशासन व जनप्रतिनिधियों की ओर से किए गए समयबद्ध प्रयासों का नतीजा है, जो सोनभद्र के विकास को नई दिशा देने में मील का पत्थर साबित होगा।

जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि उद्योगों को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए सरकार ने दूसरे जनपदों से जोड़ने वाली छ सड़कों के निर्माण को मंजूरी प्रदान कर दी है। उन्होंने बताया कि शासन ने औद्योगिक लॉजिस्टिक योजना के तहत सड़क निर्माण के कुल 22 प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की है। इन प्रस्तावों में सोनभद्र के सबसे ज्यादा 6 प्रस्तावों को मंजूरी मिली है। जिलाधिकारी ने बताया कि मुर्धवा-म्योरपुर-बभनी-चपकी-बीजपुर मार्ग का निर्माण 36.75 करोड़ रुपये की लागत से कराया जाएगा। नधिरा-धरतिडाड मार्ग का निर्माण 1.20 करोड़ रुपये की लागत से कराया जाएगा। वहीं, वाराणसी-शक्ति नगर स्टेट हाइवे का निर्माण का 41.79 करोड़ रुपये से कराया जाएगा। इसी तरह, डिबुलगंज-जोगेन्द्रा मार्ग का निर्माण 48.38 करोड़ रुपये, आरएस रोड से कोदरा टोला मार्ग तक सड़क का निर्माण 18.53 करोड़ रुपये की लागत से कराया जाएगा। चोपन-कोटा-कोन-करौंदी मार्ग का निर्माण 55.50 करोड़ रुपये की लागत से कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण से जुड़े सभी संबंधित विभागों द्वारा सर्वे इत्यादि कार्यों को त्वरित गति से संपन्न किया गया।

शिवमंदिर में रामचरित मानस का अखंड पाठ एवं रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन

अमन लेखनी समाचार

अनपरा। कोलमिल एवं ऐश प्लांट पूजा समिति, हिंडालको रेनुसागर के तत्वावधान में सावन माह के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर शिवमंदिर, रेनुसागर परिसर में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ रामचरित मानस पाठ एवं रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में यजमान के रूप में संदीप यावले एवं उनकी धर्मपत्नी पूजा यावले ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से भगवान शिव का रुद्राभिषेक एवं पूजन-अर्चन किया। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख, समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। रामचरित मानस के संगीतमय पाठ से संपूर्ण मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम के समापन पर भगवान शिव की महाआरती संपन्न हुई तथा उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।आचार्य पंडित गुलाब चन्द्र पांडेय ने बताया कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना का सर्वश्रेष्ठ काल माना गया है। इस पावन मास में श्रद्धा, भक्ति और विधि-विधान से भगवान शिव का पूजन एवं रुद्राभिषेक करने से जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्यता की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि रामचरित मानस का पाठ मनुष्य के जीवन में नैतिक मूल्यों, सदाचार और आध्यात्मिक चेतना का संचार करता है। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और संस्कारों को सुदृढ़ करने के साथ-साथ सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा इंटरसेप्टर वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को मिलेगी नई मजबूती

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।जनपद में सड़क सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने, यातायात नियमों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने तथा आधुनिक तकनीक आधारित स्मार्ट पुलिसिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा आज पुलिस लाइन चुर्क, सोनभद्र से अत्याधुनिक इंटरसेप्टर वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उक्त इंटरसेप्टर वाहन आधुनिक स्पीड लेजर गन, हाई-रिजॉल्यूशन कैमरा, नाइट विजन कैमरा, ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (अठढफ), वीडियो रिकॉर्डिंग सिस्टम, पब्लिक एड्रेस सिस्टम (ढअ र८२३ी), ब्रेथ एनालाइजर, अल्कोहल मीटर, लाल-नीली चेतावनी बत्ती एवं हूटर सहित विभिन्न अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित हैं। इन तकनीकों के माध्यम से यातायात नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी निगरानी एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इन इंटरसेप्टर वाहनों का उपयोग जनपद के प्रमुख मार्गों, राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों, नगर क्षेत्रों तथा दुर्घटना संभावित एवं संवेदनशील स्थानों पर ओवरस्पीडिंग, शराब पीकर वाहन चलाना (ऊ१४ल्लह्य & ऊ१५ी), रैश एवं स्टंट ड्राइविंग, ध्वनि प्रदूषण, प्रदूषणकारी वाहनों तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई हेतु किया जाएगा। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने तथा सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष यातायात प्रवर्तन एवं जागरूकता अभियान संचालित किए जाएंगे। इंटरसेप्टर वाहनों के माध्यम से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर आधुनिक तकनीक के जरिए प्रभावी निगरानी रखते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा यातायात व्यवस्था में ड्यूटीरत समस्त यातायात पुलिसकर्मियों को उनके कार्य को अधिक प्रभावी एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से छाता, रेनकोट, हाई पावर टॉर्च, ब्लैक चश्मा एवं मास्क का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि इंटरसेप्टर वाहनों का संचालन पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं दक्षता के साथ किया जाए तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए आमजन को यातायात नियमों के पालन हेतु निरंतर जागरूक किया जाए।

सावन में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज के प्रति बढ़ रहा श्रद्धालुओं का आकर्षण

अमन लेखनी समाचार

हरिद्वार। सावन के पावन महीने में हरिद्वार स्थित प्रसिद्ध दक्षिण काली मंदिर इन दिनों श्रद्धा, साधना और शिवभक्ति का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। सावन के प्रथम सोमवार से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज की कठोर साधना के दर्शन कर रहे हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। वहीं देश-विदेश में रहने वाले अनेक श्रद्धालु ऑनलाइन माध्यमों से रुद्राभिषेक और साधना से जुड़कर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त कर रहे हैं। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज सावन मास में प्रतिदिन लगभग 22 घंटे तक एक ही आसन पर बैठकर भगवान शिव की आराधना, जप, ध्यान और रुद्राभिषेक में लीन रहते हैं। उनकी यह कठिन साधना श्रद्धालुओं के बीच विशेष आकर्षण और आध्यात्मिक प्रेरणा का विषय बनी हुई है। साधना के प्रति उनका समर्पण, अनुशासन और अटूट निष्ठा श्रद्धालुओं को शिवभक्ति की ओर प्रेरित कर रही है। साधना के दर्शन के लिए उमड़ रहे श्रद्धालु दक्षिण काली मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालु महाराज श्री की साधना के दर्शन कर स्वयं को आध्यात्मिक रूप से धन्य अनुभव कर रहे हैं। भक्तों का कहना है कि सावन के पवित्र महीने में भगवान शिव की आराधना के बीच महाराज श्री की तपस्या और साधना को देखना उनके लिए विशेष आध्यात्मिक अनुभव है। श्रद्धालुओं के अनुसार, महाराज श्री की साधना उन्हें शिवभक्ति, आत्मिक शांति, संयम और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देती है। यही कारण है कि सावन के प्रत्येक दिन दक्षिण काली मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। देश-विदेश से ऑनलाइन भी जुड़ रहे भक्त दक्षिण काली मंदिर में चल रही साधना का प्रभाव केवल हरिद्वार और आसपास के क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों में रहने वाले श्रद्धालु भी ऑनलाइन माध्यमों से मंदिर की गतिविधियों, रुद्राभिषेक और साधना से जुड़ने का प्रयास कर रहे हैं। जो श्रद्धालु व्यक्तिगत रूप से हरिद्वार नहीं पहुंच पा रहे हैं, वे ऑनलाइन माध्यमों के जरिए भगवान शिव के रुद्राभिषेक और धार्मिक अनुष्ठानों से जुड़कर अपनी श्रद्धा अर्पित कर रहे हैं। इससे सावन के दौरान दक्षिण काली मंदिर से जुड़ने वाले श्रद्धालुओं का दायरा और व्यापक हुआ है। सावन में शिव आराधना का विशेष महत्व सनातन परंपरा में सावन मास को भगवान शिव की आराधना के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है।

इस पूरे महीने में शिवलिंग पर जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय मंत्र और भगवान शिव के मंत्रों का जाप करने की विशेष धार्मिक मान्यता है। इसी आध्यात्मिक वातावरण के बीच आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी जी महाराज की कठोर साधना श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट- बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

लगातार बारिश से छेच नदी उफान पर, पुलिया डूबी

रिपटा टूटने से खरका गांव का संपर्क टूटा

अमन लेखनी समाचार/ हेमन्त यादव

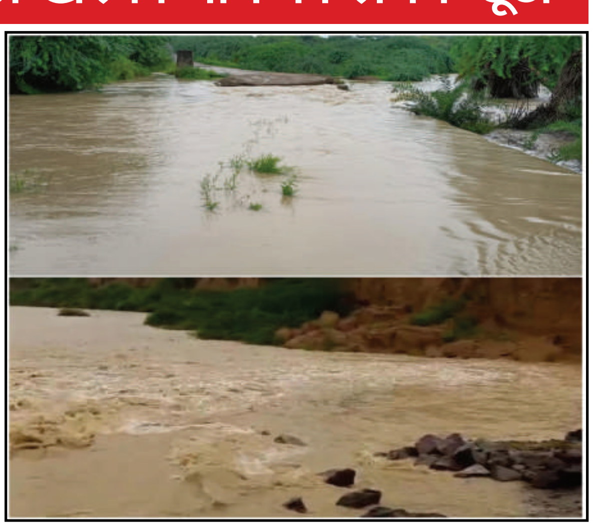

ककरवई (झांसी)।क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन हुई बारिश से जहां खरीफ की फसलों को भरपूर लाभ मिलने से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं, वहीं दूसरी ओर नदियों, नालों और तालाबों का जलस्तर बढ़ने से जनजीवन प्रभावित हो गया है। ग्राम ककरवई से होकर बहने वाली छेच नदी का जलस्तर अचानक बढ़ जाने से पुलिया के ऊपर से पानी बहने लगा। इसके चलते पूरे दिन आवागमन पूरी तरह बाधित रहा और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं ग्राम खरका में पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा कुछ समय पहले नाले पर बना रिपटा तेज बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गया। इससे बरसाती पानी ने गांव को चारों ओर से घेर लिया और गांव का बाहरी संपर्क पूरी तरह कट गया। ग्रामीणों को आवश्यक कार्यों के लिए भी गांव से बाहर निकलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम प्रधान आत्माराम यादव, श्याम सिंह यादव खरका, महेशचंद्र बिदुआ, अरविंद्र सिंह बुंदेला,ब्रजेश विदुआ, छत्रपाल सिंह परमार सुरेंद्र सिंह चौहान, मेहरबान सिंह यादव योगेंद्र सिंह परमार, भारत सिंह बुंदेला, राजेश नायक, बलवान सिंह यादव, मुन्ना बर्मा शिवनाथ श्रीवास पर्वत कोरी अछरु बरार सहित आदि ग्रामीणों ने प्रशासन से क्षतिग्रस्त रिपटे का शीघ्र पुनर्निर्माण कराए जाने की मांग की है, ताकि बारिश के दौरान आवागमन सुचारु हो सके।

जर्जर यात्री प्रतीक्षालय से हादसे का खतरा, ग्रामीणों ने नए निर्माण की मांग उठाई

अमन लेखनी समाचार

ककरवई (झांसी)। गरौठा-ककरवई मार्ग पर स्थित मछलीकाँछ यात्री प्रतीक्षालय पूरी तरह जर्जर हो चुका है। प्रतीक्षालय की दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं, जिससे उसके कभी भी धराशायी होने की आशंका बनी हुई है। बरसात के मौसम में यात्री, राहगीर और चरवाहे बारिश से बचने के लिए इसी प्रतीक्षालय का सहारा लेते हैं, लेकिन इसकी बदहाल स्थिति के कारण दुर्घटना का खतरा लगातार बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या कई वर्षों से बनी हुई है, लेकिन संबंधित विभाग ने अब तक इसकी सुध नहीं ली। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई करते हुए जर्जर प्रतीक्षालय को हटाकर उसके स्थान पर नया यात्री प्रतीक्षालय बनवाने की मांग की है। ग्रामीण सीताराम निषाद, राकेश निषाद, पूरण लाल निषाद, इंद्रपाल, गुलजारी लाल, रामचरण, अरुण यादव, अन्नू प्रजापति एवं रूपनारायण सहित अन्य लोगों ने कहा कि नया प्रतीक्षालय बनने से यात्रियों और राहगीरों को सुरक्षित आश्रय मिल सकेगा।

10 साल बाद लीड हीरो बनकर लौटेंगे इमरान

मुंबई। अभिनेता इमरान खान ने काफी वक्त से स्क्रीन से दूरी बना कर रखी थी। मगर अब वह बतौर लीड एक्टर दमदार वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक बातचीत के दैरान उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' से जुड़ी जानकारी साझा की। उन्होंने हा, 'मेरी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। यह फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन में है और इस साल के अंत तक इसके रिलीज होने की उम्मीद है। यह एक एडल्ट रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जो मेरे जीवन के मौजूदा हालात दर्शाती है।' इमरान खान आखिरी बार साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'कट्टी बट्टी' में बतौर लीड हीरो नजर आए थे।

लाइफ Style

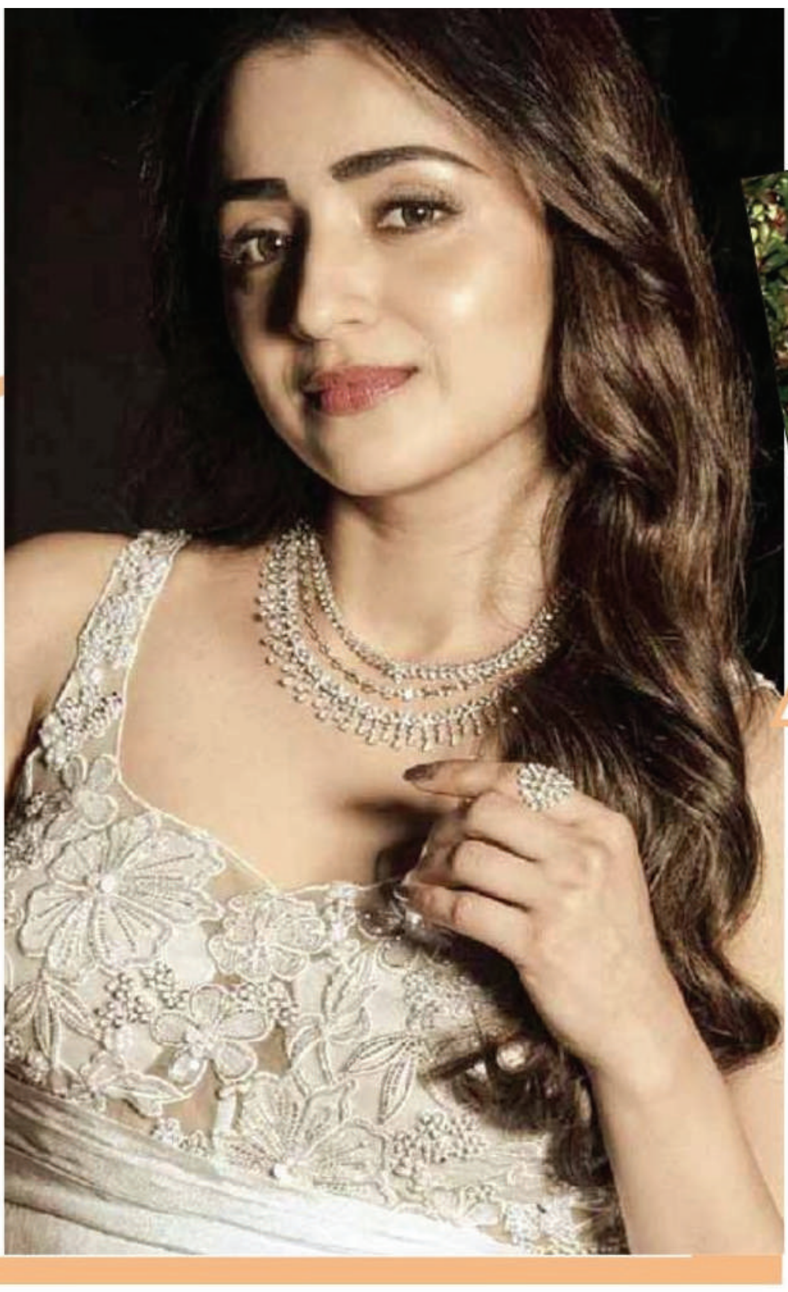

तृषा

लोगों ने किया है मर्यादा का उल्लंघन

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

तमिलनाडु में कावेरी जल विवाद पर आयोजित रैली के दौरान डीएमके नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने ऐसा बयान दिया, जिस पर हंगामा हो रहा है। उन्होंने कथित तौर पर साउथ इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री तृषा पर यह टिप्पणी की थी। उनकी टिप्पणी को लेकर आलोचना हो रही है।

यह पहली बार नहीं है, जब तृषा पर निशाना साधा गया हो। इससे पहले भी उन पर तमाम लोगों ने मर्यादा का उल्लंघन कर आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणी की हैं। साल 2023 में अभिनेता मंसूर अली खान ने फिल्म 'लिओ' की सफलता के बाद तृषा कृष्णन को लेकर एक आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी की थी। इस पर महिला आयोग ने भी मंसूर अली खान के खिलाफ एक्शन लिया था। दरअसल, तृषा और मंसूर अली खान ने लोकेश कनगराज की फिल्म 'लियो' में साथ काम किया था। हालांकि, फिल्म में दोनों ने स्क्रीन स्पेस साझा नहीं किया था। फिल्म के बाद मंसूर अली खान ने कहा था, 'जब मैंने सुना कि मैं तृषा के साथ काम कर रहा हूं, तो मैंने सोचा कि फिल्म में एक बेडरूम सीन होगा। लेकिन, इन लोगों ने कश्मीर शेड्यूल के दौरान सेट पर तृषा को मुझे दिखाया भी नहीं'। इस टिप्पणी पर तृषा ने नाराजगी जाहिर करते हुए मंसूर के साथ कभी काम न करने की बात कही थी। इतना ही नहीं, फरवरी 2024 में तृषा कृष्णन पर एआईडीएमके के पूर्व नेता एवी राजू ने अभद्र टिप्पणी करते हुए एक आरोप लगाया था। राजनेता ने एक्ट्रेस की निजी जिंदगी पर बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

हॉलीवुड मसाला

केविन ने की स्पाइडर-मैन 5 की घोषणा

लॉस एंजिल्स। फिल्म 'स्पाइडर मैन ब्रांड न्यू डे' ने वर्ल्ड वाइड बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई की। इसके साथ ही मार्वल स्टूडियोज ने स्पाईडी के दीवानों को एक नई खुशखबरी दी है। मार्वल स्टूडियोज के निर्देशक केविन फीगे ने ऑफिशियल तौर पर 'स्पाइडर मैन 5' की घोषणा की है। इसके साथ ही निर्माता एमी पास्कल ने यह भी उम्मीद जताई है कि इस सीजन में भी निर्देशक डेस्टिन डेनियल क्रेटन की वापसी हो सकती है। उन्होंने कहा, 'योजनाएं हमेशा बनी रहती हैं।'

जाफर सुपरमैक्स में विल के साथ करेंगे काम

लॉस एंजिल्स। एक्टर जाफर जैक्सन ने अपने दिवंगत अंकल पॉपस्टार माइकल जैक्सन का किरदार उनकी बायोपिक में निभाया था। फिल्म में उनके अभिनय के लिए काफी सराहना मिली थी। एक्टर अब जल्द ही एक्शन थ्रिलर 'सुपरमैक्स' में विल स्मिथ के साथ नजर आएंगे। हालांकि, उनके किरदार की जानकारी फैंस को अब तक नहीं दी गई है। मगर वह फिल्म में एक महत्त्वपूर्ण किरदार निभा सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा। कहानी दो एफबीआई एजेंट्स और उनकी जांच पर आधारित बताई जा रही है। जो एक उच्च सुरक्षा वाली जेल के अंदर एक असंभव सी लगने वाली हत्या की जांच करते हैं। यह दोनों किरदार विल स्मिथ और एना सोफिया रॉब निभाएंगे।

ललकारा में अब सिद्धांत निभाएंगे अहम रोल

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर आमिर खान और आशुतोष गोवारिकर ने अपनी अपकमिंग स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'ललकारा' की कास्टिंग में बड़ा बदलाव किया है। फरहान अख्तर के इस प्रोजेक्ट से हटने के बाद अब एक्टर सिद्धांत गुप्ता इसमें शामिल हो गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, फरहान अख्तर ने फिल्म से इसलिए किनारा कर लिया, क्योंकि इसकी शूटिंग का शेड्यूल संगीतकार आर.डी. बर्मन पर बन रही बायोपिक की शूटिंग से टकरा रहा था। अब 'ललकारा' में फरहान अख्तर की जगह सिद्धांत गुप्ता अदाकारी करेंगे। सिद्धांत को सीरीज 'जुबली' और 'फ्रीडम एट मिडनाइट' में एक्टिंग के लिए काफी तारीफ मिली है। उम्मीद है कि हाल के वर्षों की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्मों में से एक मानी जा रही इस फिल्म में एक्टर, आमिर खान के साथ एक अहम किरदार निभाएंगे।

बंटवारा की रिलीज से पहले पहुंचे गुरुद्वारा

मुंबई। एक्टर सनी देओल अपनी आने वाली फिल्म 'बंटवारा 1947' की रिलीज की तैयारी में जुटे हुए हैं। फिल्म के रिलीज से पहले एक्टर्स ने श्री पटना साहिब गुरुद्वारा जाकर आशीर्वाद लिए। इस दौरान के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। सामने आए वीडियो में सनी देओल गुरुद्वारे में गुरु गोबिंद सिंह जी के सामने प्रार्थना करते और कुछ समय ध्यान लगाते नजर आ रहे हैं। तख्त श्री पटना साहिब सिख धर्म का एक बहुत ही पवित्र और महत्वपूर्ण स्थल है, क्योंकि यह गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्मस्थान है। यह गुरुद्वारा सिखों के पांच तख्तों में से एक है और इसकी बहुत खास मान्यता है। यहां हर साल दुनिया भर से हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। दर्शन के बाद सनी देओल ने अपने इंस्टाग्राम पर भी तस्वीरें शेयर कीं।

टीवी मसाला

जैस्मिन ड्रामा क्वीन, करण वाही सबसे बड़े एंटरटेनर : अविका

नई दिल्ली। 'बालिका वधू' की 'आनंदी' अब 'खतरों के खिलाड़ी 15' की सबसे मुश्किल जर्नी पूरी कर लौट चुकी हैं। केप टाउन से लौटने के बाद अविका गोर ने बातचीत में साथी कंटेस्टेंट्स को मजेदार टैग दिए। अविका गोर ने किसी को 'ड्रामा क्वीन' बताया, किसी को सबसे बड़ा एंटरटेनर, तो किसी को सबसे खतरनाक खिलाड़ी। इसी बातचीत में उन्होंने सबसे मुश्किल स्टंट, पति मिलिंद चंदवानी के रिएक्शन और अविनाश मिश्रा को लेकर बदली अपनी राय पर भी खुलकर बात की। साथी कंटेस्टेंट्स की बात छिड़ी तो अविका ने उन्हें अपने अंदाज में मजेदार टैग भी दे डाले। वह हंसते हुए कहती हैं, 'ड्रामा क्वीन का टैग मैं जैस्मिन को दूंगी। वो पहले खूब रोती हैं, डरती हैं, लेकिन आखिर में स्टंट भी कर लेती हैं। इसलिए उनका ड्रामा भी मुझे प्यारा लगता है।' 'ओवरकॉन्फिडेंट' के सवाल पर अविका ने विशाल आदित्य सिंह का नाम लिया, लेकिन साथ ही साफ किया कि यह सिर्फ एक स्टंट की बात थी। 'एक स्टंट में विशाल जरूरत से ज्यादा कॉन्फिडेंट हो गए थे, लेकिन मैं उन्हें ओवरऑल ओवरकॉन्फिडेंट नहीं कहूंगी।' 'अंडररेटेड' का टैग उन्होंने खुद को दिया। वहीं, 'डेंजरस कॉम्पिटिटर' के लिए उन्होंने अविनाश मिश्रा का नाम लेते हुए कहा, 'मुझे ऐसे लोग बहुत पसंद हैं, जो हर चैलेंज के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

दीपिका ने भर्तृहरि गुफा में किया शिव तांडव

नई दिल्ली। टीवी की फेमस एक्ट्रेस दीपिका सिंह इन दिनों अपनी आध्यात्मिक यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित प्रसिद्ध भर्तृहरि गुफा के दर्शन किए। यहां उन्होंने भगवान शिव को समर्पित करते हुए डांस भी किया। दीपिका ने बताया कि इस डांस के लिए उन्होंने पहले कोई तैयारी नहीं की थी। दरअसल, दीपिका सिंह ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह भर्तृहरि गुफा में 'चंद्रचूड़' गाने पर नृत्य करती नजर आ रही हैं। खास बात यह है कि इस डांस के लिए उन्होंने कोई खास रिहर्सल नहीं की थी। अभिनेत्री ने बताया कि कुछ दिन पहले उन्होंने इस गाने पर एक रील देखी थी, लेकिन गुफा में पहुंचने के बाद अचानक उनके मन में इस पर डांस करने का विचार आया। दीपिका ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, म नमः शिवाय. आप सभी को सावन के पहले सोमवार की शुभकामनाएं। मैंने भर्तृहरि गुफा में बैठकर कुछ देर ध्यान किया. यहां की शांति और सकारात्मक ऊर्जा ने मुझे डांस करने के लिए प्रेरित किया। डांस शुरू करने से पहले मैंने गुरु को याद किया, धरती को प्रणाम किया और फिर भगवान शिव को यह नृत्य अर्पित किया।'

किशोर दा ने टेबल मंगवाया, उस पर लेट गए और गाने लगे! मजाक-मजाक में हुआ रिकॉर्ड

नई दिल्ली। किशोर कुमार कितने हरफनमौला थे, यह बताने की जरूरत नहीं है। चाहे फिल्मों के लिए प्लेबैक सिंगिंग हो, भजन गाना हो, गजल या फिर कव्वाली, उनका अंदाज सबसे जुदा होता है। किशोर कुमार अपने गीतों को 'योडलिंग' और अलग-अलग आवाजों में गाने की क्षमता के लिए जाने जाते थे।

टेबल लेकर आओ, मैं लेटकर गाऊंगा : अब किशोर कुमार ठहरे किशोर कुमार। वह दो पल चुप रहे, फिर कहा, 'अगर वो एक शराबी है, नशे में है, तो सीधा रहकर तो गा नहीं सकता। एक काम करो मेरे लिए एक टेबल लेकर आओ। मैं लेटकर गाऊंगा।' किशोर दा की बात सुन सब चौंक गए। वहां मौजूद हर किसी को लगा कि वह मजाक कर रहे हैं। बप्पी दा को भी ऐसा ही लगा। उन्होंने पहले तो किशोर दा की बात को अनसुना किया, लेकिन जब सिंगर अपनी मांग पर डटे रहे तो वह कुछ समझ नहीं पाए। इधर, किशोर दा बिना टेबल पर लेटे गाने को तैयार नहीं थे।

इन्तहा हो गई इंतजार की

बात साल 1984 में रिलीज फिल्म 'शराबी' की है। प्रकाश मेहरा के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म उस साल की ब्लॉकबस्टर थी। किशोर दा को करीब से जानने वाले बताते हैं कि वह बड़े मस्तीखोर शख्सियत थे। लेकिन मजाक-मजाक में भी अद्भुत काम कर जाना, उनके व्यक्तित्व का हिस्सा था। इसी मजाक-मजाक में उन्होंने यह सुपरहिट गाना 'इन्ताहा हो गई इंतजार की' भी रिकॉर्ड किया था। इसका किस्सा खुद दिग्गज सिंगर आशा भोसले ने भी एक इंटरव्यू में बताया था। आशा ताई बताती हैं कि उस दिन रिकॉर्डिंग रूम में वह भी मौजूद थीं। बप्पी दा भी थे। तभी किशोर दा वहां पहुंचते हैं और पूछते हैं कि गाने की सिचुएशन क्या है। बप्पी दा ने कहा- एक शराबी आशिक है, जो अपनी महबूबा के लिए नशे में गाना गा रहा है। उसका इंतजार कर रहा है।

जिद के आगे सब हार गए

खैर, कुछ मिनटों में सब किशोर दा की जिद के आगे हार गए। टेबल मंगवाया गया। मजेदार बात यह कि टेबल आते ही, वह सच में उस पर म्यूजिशियन्स की तरफ करवट लेकर लेट गए। अपने हाथ को सिर के नीचे रखा, पैर पर पैर चढ़ाया और इस तरह एक तरफ करवट के साथ माइक मांगा। माइक सामने आते ही उन्होंने एक शराबी के अंदाज में हिचकी लेते हुए पहली लाइन गाई- आई ना कुछ खबर, मेरे यार की...

मिर्जापुरः द मूवी का गाना 'दो नंबरी' जारी

ढांडा का दिखा देसी और विदेशी अंदाज

मुंबई। साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में शामिल 'मिर्जापुरः द मूवी' की रिलीज से पहले इसका पहला गाना 'दो नंबरी' रिलीज हुआ है। इस गाने को ढांडा न्योलीवाला ने लिखा, कंपोज किया और अपनी आवाज दी है। यह ट्रैक उनके बॉलीवुड डेब्यू का भी आगाज है। लगभग दो मिनट के गाने में दिखाया गया है कि ढांडा न्योलीवाला गाना गा रहे हैं। गाने में वह ग्लैमरस अंदाज में नजर आ रहे हैं। इसमें गाड़ी, बंदूक और हवाई जहाज नजर आ रहे हैं। कई बार वह विदेश में तो कई बार देसी अंदाज में नजर आए हैं। 'मिर्जापुरः द मूवी' दर्शकों को फिर से सीजन 1 की दुनिया में लेकर जाएगी। फिल्म में पहली बार बड़े पर्दे पर गुड्डु पंडित (अली फजल), मुन्ना भैया (दिव्येंदु) और कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) जैसे फ्रेंचाइजी के सबसे लोकप्रिय किरदारों की वापसी होगी। फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर

गौर, श्वेता त्रिपाठी, सोनल एस. चौहान, अनंगशा बिस्वास, शाजी चौधरी, सतेंद्र सोनी, कुलभूषण खरबंदा और सुशांत सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'मिर्जापुरः द मूवी' का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है, जबकि इसकी कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने इसे एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। वहीं कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी इसके सह-निर्माता हैं। यह फिल्म 4 सितंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में हिंदी और तेलुगु भाषा में रिलीज होगी।

दर्शकों को सीधे डर के आगोश में ले जाती हैं दहशत भरी दुनिया

रीढ़ की हड्डी में सिहरन पैदा करने वाली हैं ये डरावनी फिल्में

नई दिल्ली। आने वाले वीकेंड एंटरटेनमेंट में अगर आप थ्रिल, सस्पेंस और डर का टच जोड़ना चाहते हैं, तो सिनेमा की दुनिया में ऐसी बहुत सी फिल्में है जो आपके रोंगटे खड़े कर सकती हैं। चाहे वह तुम्बाड़की पौराणिक कहानी हो, स्त्री की लोकल हॉरर हो या 1920 का गॉथिक सस्पेंस हो, ये कहानियां दर्शकों को सीधे डर के आगोश में ले जाती हैं। द कॉन्ज्यूरिंग की सच्ची घटनाएं, रात की कल्ट साइलेंस और परी का डार्क साइकोलॉजिकल माहौल आपको रात भर जगाए रखेगा।

स्त्री : 2018 में रिलीज हुई 'स्त्री' हॉरर और कॉमेडी का एक अनोखा मिक्सचर है। चंदेरी शहर की मशहूर लोककथा 'ओ स्त्री कल आना' पर आधारित यह फिल्म एक चुड़ैल की कहानी बताती है, जो त्योहारों के दौरान रात के अंधेरे में आदमियों को किडनैप कर लेती है। अमर कौशिक के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर हैं। यह फिल्म न सिर्फ आपको डराती है, बल्कि एक डरावना ह्यूमर और एक जबरदस्त सोशल मैसेज भी देती है। इसका अनोखा सस्पेंस और इंडियन फ्लेवर इसे हॉरर-कॉमेडी जॉनर में एक क्लासिक बनाते हैं।

तुम्बाड : तुम्बाड को इंडियन सिनेमा की सबसे बेहतरीन हॉरर-फैंटेसी फिल्मों में से एक माना जाता है। राही अनिल बर्वे के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म महाराष्ट्र के तुम्बाड गांव के एक परिवार के पौराणिक राक्षस 'हस्तर' के डर और कभी न खत्म होने वाले लालच पर आधारित है। मेन कैरेक्टर विनायक अपने पुश्तैनी खजाने की तलाश में एक भयानक श्राप का सामना करता है। लगातार बारिश, शानदार सिनेमैटोग्राफी और नमी वाला माहौल देखने वालों में डर का गहरा एहसास पैदा करता है। यह फिल्म सिर्फ एक भूत की कहानी नहीं है, बल्कि इंसानी लालच के भयानक नतीजों का एक विजुअल मास्टरपीस है।

1920 : विक्रम भट्ट के डायरेक्शन में बनी '1920' इंडियन सिनेमा की एक क्लासिक गॉथिक हॉरर फिल्म है। 20वीं सदी की शुरुआत में सेट यह कहानी अर्जुन और ललिता की है, जो अपने प्यार को पाने के लिए अपना घर छोड़ देते हैं और एक पुरानी, ऐतिहासिक हवेली में रहने चले जाते हैं। हवेली में घुसते ही ललित पर एक बुरी और शापित आत्मा का कब्जा हो जाता है। फिल्म में विश्वास, प्यार और सुपरनेचुरल शक्तियों के बीच की भयानक लड़ाई दिखाई गई है।

परी : अनुष्का शर्मा स्टारर 'परी' (2018) एक डार्क और इंटेंस साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म है, जो ट्रेडिशनल भूतिया कहानियों से हटकर है। प्रोसित रॉय के डायरेक्शन में बनी यह कहानी अर्नब नाम के एक सीधे-सादे आदमी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो जंगल में जंजीरों से बंधी रुक्साना (अनुष्का) नाम की एक रहस्यमयी लड़की को घर लाता है। बाद में पता चलता है कि रुक्साना का एक डरावने शैतानी पंथ (इफ्रिट) से कनेक्शन है।

__द कॉन्ज्यूरिंग__: जेम्स वान के डायरेक्शन में बनी 'द कॉन्ज्यूरिंग' हॉलीवुड की सबसे डरावनी और मशहूर हॉरर फिल्मों में से एक है। यह फिल्म असल जिंदगी के पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर एड और लोरेन वॉरेन की केस फाइलों पर आधारित है। कहानी पेरोन परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक नए फार्महाउस में जाते हैं और एक डरावनी सुपरनैचुरल ताकत का शिकार बन जाते हैं। बिना किसी फालतू खून-खराबे के यह फिल्म अपने सस्पेंस, साउंड इफेक्ट और विजुअल्स से डर का एहसास कराती है।

__रात__ : राम गोपाल वर्मा के डायरेक्शन में बनी 'रात' को इंडियन हॉरर सिनेमा की एक कल्ट क्लासिक माना जाता है। रेवती स्टारर यह फिल्म एक ऐसे परिवार की कहानी बताती है जो एक नए घर में जाता है और उनकी बेटी एक शापित बिल्ली की आत्मा के असर में आ जाती है। 90 के दशक में बनी इस फिल्म की सबसे बड़ी खूबी इसका साउंड डिजाइन और इनोवेटिव कैमरावर्क था. बिना किसी बड़े विजुअल इफेक्ट के भी, यह फिल्म घर के आम माहौल में इतना डर पैदा करती है कि देखने वाला अकेले रहने से डरने लगता है।